हिन्दी दैनिक

आर.एन.आई.नं.:-UPHIN/2005/16132

उपभोक्ता की दुनिया

श्रावस्ती से प्रकाशित

वर्ष : 21 अंक : 16 | श्रावस्ती, रविवार 22 जून 2025 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1 रूपया

गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया योग अभ्यास- बोले, हमारा शरीर ही धर्म के पालन का साधन है

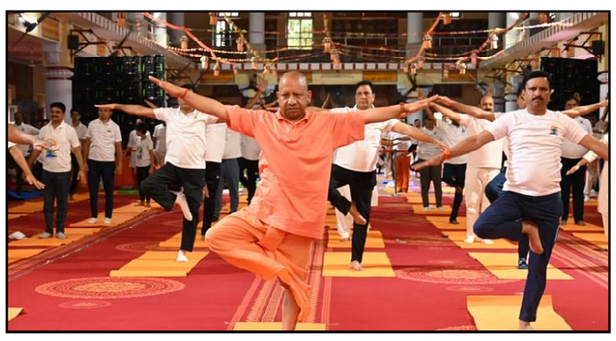

गोरखपुर (एजेन्सी)। सीएम योगी 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में योगाभ्यास करने के पूर्व योग साधकों, प्रशिक्षुओं को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की बधाई दी। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि योग भारत की ऋषि परंपरा का ऐसा मंत्र है जो स्वस्थ काया के साथ स्वस्थ मस्तिष्क भी उपलब्ध कराता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि योग भारतीय मनीषा की अनुपम देन है।योग को लोक कल्याण का माध्यम बनाकर भारत ने विश्व कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। यही वजह है कि आज 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के करीब 190 देश भारतीय योग की विरासत के साथ जुड़कर गौरवान्वित हो रहे हैं। सीएम योगी 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में योगाभ्यास करने के पूर्व योग साधकों, प्रशिक्षुओं को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की बधाई दी। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि योग भारत की ऋषि परंपरा का ऐसा मंत्र है जो स्वस्थ काया के साथ स्वस्थ मस्तिष्क भी उपलब्ध कराता है। सीएम योगी ने कहा कि मानव जीवन के चारों पुरुषार्थ धर्म, अर्थ काम, मोक्ष की प्राप्ति स्वस्थ शरीर से ही संभव है। स्वस्थ शरीर ही संसार सांसारिक उत्कर्ष और आध्यात्मिक उन्नयन का माध्यम है। धनोपार्जन से लोक कल्याण हो, कामनाओं की पूर्ति हो या फिर मुक्ति का मार्ग, इन सबके लिए स्वस्थ शरीर ही माध्यम है। उन्होंने कहा कि धर्म पालन का साधन बनाने और चारों पुरुषार्थ की प्राप्ति के लिए शरीर को स्वस्थ रखने का कार्य योग से होता है। इसी योग को भारती ने लोक कल्याण का माध्यम बनाया और फिर इसके जरिये विश्व कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज योग के अलग–अलग आयाम देखने को मिलते हैं। भारतीय मनीषा ने योग के माध्यम से चेतना के उच्च आयाम से दुनिया को अवगत कराया। व्यक्तित्व विकास से लेकर ब्रह्मांड के रहस्यों को उद्घाटित करने तक योग के समृद्ध ज्ञान को विरासत के रूप में वेदों, उपनिषदों, पुराणों, स्मृतियों और शास्त्रों में प्रस्तुत किया। सीएम योगी ने कहा कि योग की प्राचीन भारतीय परंपरा को आधुनिक युग में आगे बढ़ने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को है। ऐसे दौर में जब बाहरी लोग योग के आसनों को पेटेंट कराने लगे थे और भारत अपनी विरासत से वंचित हो रहा था, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ में पहल कर योग को वैश्विक मान्यता दिलाई। पीएम मोदी के ही प्रयास से 21 जून 2015 से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने की शुरुआत हुई। आज भारत ही नहीं, दुनिया के 190 देश योग दिवस से जुड़े हुए हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन भारत की ऋषि परंपरा के प्रति कृतज्ञापित करने और आने वाली पीढ़ी को विरासत से जोड़ने का प्रयास है।

अमित शाह का बड़ा फैसला, सिंधु जल पर अब भारत का नियंत्रण, पाकिस्तान को नहीं मिलेगा पानी

नयी दिल्ली (एजेन्सी) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक साक्षात्कार में स्पष्ट रूप से कहा कि भारत अब पाकिस्तान को सिंधु नदी के जल का अनुचित लाभ नहीं लेने देगा। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि को अब दोबारा बहाल नहीं किया जाएगा। उनका कहना है कि यह संधि भारत की ओर से अस्थायी रूप से निलंबित की गई है, क्योंकि पाकिस्तान ने इसकी मूल भावना और शर्तों का उल्लंघन किया है। अमित शाह ने बताया कि भारत उस पानी का उपयोग करेगा जो उसका वैध अधिकार है। वह पानी, जो अब तक पाकिस्तान को जाता रहा था, उसे अब राजस्थान तक नहरों के माध्यम से ले जाया जाएगा। इससे न केवल भारत को लाभ मिलेगा, बल्कि पाकिस्तान को उसके अनुचित लाभ से भी वंचित किया जाएगा। यह निर्णय 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद लिया गया, जिसमें 26 भारतीय पर्यटक मारे गए थे। अमित शाह ने इस हमले को कश्मीर में शांति और पर्यटन को बिगाड़ने की साजिश बताया। हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कूटनीतिक कदम उठाए, जिसमें पाकिस्तानी नागरिकों को निष्कासित करने का निर्णय भी शामिल है। गृह मंत्री ने बताया कि भारत ने हमले के जिम्मेदार आतंकवादियों को निशाना बनाकर सीमित सैन्य कार्रवाई की, जिसे 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया गया। यह हमला आतंकी लॉन्चपैड्स पर किया गया और इसका उद्देश्य पाकिस्तान को एक स्पष्ट संदेश देना था कि भारत अब किसी भी आतंकी कार्रवाई का करारा जवाब देगा।अमित शाह ने कहा कि भारत अब किसी भी पाकिस्तानी उकसावे को बिना जवाब नहीं छोड़ेगा। उन्होंने बताया कि कश्मीर में पर्यटकों की संख्या फिर से बढ़ रही है और घाटी ने पहले से कहीं ज्यादा भारत के साथ एकजुटता दिखाई है। अमित शाह ने कांग्रेस पार्टी पर भी निशाना साधा और कहा कि उनके शासनकाल में आतंकवाद को लेकर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती थी। उन्होंने पूछा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब ऐसी स्थिति में क्या होता था? केवल एक मंत्री बदल देना कोई समाधान नहीं था।

देश की भावना को दर्शाता है सोनिया गांधी का लेख : मनोज झा

नयी दिल्ली (एजेन्सी) राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद मनोज झा ने इजरायल और ईरान के बीच बढ़ रहे तनाव के बीच कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के लेख की सराहना की है। उन्होंने कहा कि यह लेख देश की भावना को दर्शाता है। सोनिया गांधी ने एक लेख में ईरान को भारत का पुराना मित्र और इजरायल की ओर से ईरान पर किए हमले की निंदा की है। सोनिया गांधी के इस लेख पर शनिवार को समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान मनोज झा ने कहा कि मैंने सोनिया गांधी का लेख पढ़ा, एक तरह से यह देश की भावना को दर्शाता है। 12 जून को संयुक्त राष्ट्र में गाजा में युद्ध विराम का आह्वान करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया था। हमने इसमें भाग नहीं लिया और मुझे याद आया कि महात्मा गांधी ने फिलिस्तीन के संदर्भ में क्या कहा था। भारत की चुप्पी सभ्यता की चुप्पी है। सरकारों को समझना चाहिए, वे आती हैं और जाती हैं, लेकिन एक राष्ट्र का चरित्र बरकरार रहना चाहिए। क्योंकि सत्य नहीं बदलता है, न ही हमारी करुणा की भावना बदलती है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद हम लोगों ने देखा कि हम अलग पड़े हुए थे। इसलिए, मैं कह रहा हूं कि विदेश नीति को रीबूट करने की जरूरत है।अंग्रेजी भाषा पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर राजद सांसद ने 60 के दशक के भाषाई विवाद का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भाषाओं का आपसी संबंध गहरा होता है। एक भाषा की प्रगति दूसरी भाषा की कीमत पर नहीं होती है। भाषा का किसी समुदाय से कोई रिश्ता नहीं होता है। हर भाषा आपकी चिंतन को समृद्ध करती है। उन्होंने दक्षिण भारतीय भाषाओं (जैसे तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम) की समृद्धि की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि बहुत से लोगों को ये भाषाएं आती होंगी, लेकिन, बहुत को नहीं आती होंगी। यह हमारी कमजोरी है।मनोज झा ने कहा कि योग दिवस के अवसर पर मैं सभी को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई देता हूं। मेरा मानना है कि योग का संदेश सिर्फ एक दिन तक सीमित नहीं है। यह भी याद रखना जरूरी है कि योग मानसिक शुद्धता और आध्यात्मिक स्वच्छता का प्रतीक है।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर

खत्म नहीं हुआ है। इस पर जब राजद सांसद से प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री ने जो कहा है उसका एक संदर्भ है और वह संदर्भ बहुत स्पष्ट है। जब हम पर आतंकी हमला हुआ तो देश सामूहिक पीड़ा से गुजर रहा था। हमारी सेना ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को तबाह किया। लेकिन, दुख की बात यह है कि एक बार फिर से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीजफायर कराने की बात दोहराई है। हम चाहते हैं कि संसद सत्र को बुलाकर अमेरिका को जवाब दिया जाए कि अब बहुत हुआ।

प्रधानमंत्री एक रैली में १०० करोड़ कर रहे हैं खर्च : तेजस्वी

पटना (एजेन्सी) बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला करते हुये कहा किमोदी अपनी एक रैली में 100 करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं। यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार के दौरे को लेकर सवाल खड़ा किया है। उन्होंने कहा है कि मोदी सरकारी राशि से अपनी एक रैली में 100 करोड़ रूपये खर्च कर रहे हैं। यादव ने शनिवार को एक्स पर लिखा, सरकारी खर्चे से यानी जनता की पॉकेट से प्रधानमंत्री की एक रैली का खर्चा 100 करोड़ रूपये है। उन्होंने कहा पिछले पांच चुनावों में प्रधानमंत्री बिहार में 200 से अधिक रैली एवं जनसभा कर चुके है। इसलिए जनता की जेब से निकला कुल खर्च 20 हजार करोड़ है। जीं हां 20 हजार करोड़!! नेता प्रतिपक्ष ने कटाक्ष करते हुये कहा कि आयोजन का बहाना है सरकारी लेकिन प्रयोजन है प्रचार चुनावी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री केंद्र की 11 वर्षों एवं बिहार की 20 वर्षों की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की उपलब्धियों एवं खामियों इत्यादि का जिक्र ना कर के केवल विपक्ष को गाली देने के लिए बिहार आते है तथा एक कार्यक्रम पर जनता की जेब से 100 करोड़ रुपए खर्च निकलवाते है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि चालाकी से अपने प्रचार–प्रसार और चेहरा चमकाने के लिए जनता की जेब से हजारों करोड़ रुपए निकलवाने वालों

को आप क्या कहेंगे? यादव ने मोदी पर तंज कसते हुये कहा कि बिहार जैसे गरीब राज्य को कुछ दे नहीं सकते तो लेते भी क्यूं हो? उन्होंने कहा कि रैलियों के माध्यम से बिहार की जनता का 20 हजार करोड़ लूटने और लुटाने वाले गुनहगार ऊपर से ईमानदार, तारणहार और खेवनहार बनने का नाटक रच रहे है? और हाँ! जनता की पॉकेट मारने वाले को पॉकेटमार ही कहा जाता है, मददगार नहीं।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री के साथ सीएमजी का विशेष साक्षात्कार

बीजिंग (एजेन्सी) सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग 22 से 26 जून तक चीन की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा करेंगे। हाल ही में, चीन की अपनी यात्रा की पूर्व संध्या पर, उन्होंने चाइना मीडिया ग्रुप (सीएमजी) के साथ एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि परिवर्तन और अराजकता से भरी अंतर्राष्ट्रीय स्थिति के सामने, हमारा विकल्प बहुपक्षवाद को त्यागना नहीं होना चाहिए, बल्कि इसके समायोजन और सुधार को सक्रिय रूप से बढ़ावा देना चाहिए, ताकि वह सभी देशों को बेहतर लाभ पहुंचा सके। चीन और सिंगापुर ने 1990 में राजनयिक संबंध स्थापित किए। राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद से 35 वर्षों में, चीन–सिंगापुर संबंध तेजी से विकसित हुए हैं। यह न केवल प्रधानमंत्री बनने के बाद लॉरेंस वोंग की पहली चीन यात्रा है, बल्कि चीन और सिंगापुर के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 35वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक महत्वपूर्ण उच्च–स्तरीय आदान–प्रदान भी है। 2023 में, चीन–सिंगापुर संबंधों को व्यापक उच्च–गुणवत्ता वाली और दूरदर्शी साझेदारी में उन्नत किया गया। लॉरेंस वोंग ने कहा कि चीन और सिंगापुर आपसी विश्वास, सम्मान और समझ के आधार पर बहुत करीबी और ठोस साझेदारी बनाए हुए हैं। पिछले 20 वर्षों में, लॉरेंस वोंग ने पेइचिंग, शांगहाई, थ्येनचिन, छंगतू समेत चीन के कई शहरों का दौरा किया। उन्होंने कहा कि वे लगभग हर साल चीन का दौरा करते हैं। कई बार चीन का दौरा करने और चीन के छलांग लगाने वाले विकास को देखने के बाद, उनका मानना है कि चीन के परिवर्तन और उपलब्धियों को आर्थिक चमत्कार कहा जा सकता है। चीन के साथ गहराते सहयोग की बात करते हुए, उन्होंने कहा कि घनिष्ठ साझेदारी के आधार पर सिंगापुर और चीन के बीच सहयोग हमेशा आगे बढ़ता है। व्यापार के मुद्दों पर बात करते हुए, लॉरेंस वोंग ने कहा कि सिंगापुर समान विचारधारा वाले देशों के साथ मुक्त व्यापार की रक्षा और नियम–आधारित व्यापार प्रणाली की रक्षा के लिए काम कर रहा है। हम चीन, भारत, जापान, दक्षिण कोरिया और अन्य प्रमुख एशियाई देशों के साथ घनिष्ठ सहयोग बनाए हुए हैं। साथ ही, हम एशिया से बाहर के देशों जैसे यूरोपीय संघ, लैटिन अमेरिका और अफ्रीका के साथ भी सहयोग को गहरा कर रहे हैं। हालांकि, हम इनमें से कुछ देशों से परिचित नहीं हैं, लेकिन हमें उनके साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित करने के लिए अपने प्रयासों को दोगुना करना चाहिए। हम क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते और ट्रांस–पैसिफिक पार्टनरशिप के लिए व्यापक और प्रगतिशील समझौते जैसे क्षेत्रीय प्लेटफार्मों पर सहयोग को भी मजबूत कर रहे हैं और विभिन्न तंत्रों के बीच संबंध के नए तरीकों की सक्रिय रूप से खोज कर रहे हैं।

एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर कसा तंज, कहा,21 जून को ही बड़ा योग हुआ था

मुंबई (एजेन्सी) महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना से अपने गुट के अलग होने के दिन को याद करते हुए तंज कसा। उन्होंने कहा कि 21 तारीख हमारे लिए एक विशेष योग का दिन था वो एक लंबा, मैराथन जैसा योग था जिसकी शुरुआत मुंबई से हुई थी। इसी योग के चलते 21 जून को महाराष्ट्र में बड़ा परिवर्तन हुआ और आज हम उस बदलाव का परिणाम विकास के रूप में देख रहे हैं। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा, 'मुझे अभी आप ही ने बताया कि उस दिन 21 तारीख ही थी। 21 तारीख को हमने बड़ा योग किया था। वो मैराथन योगा था। ये मुंबई से शुरू हुआ और 21 तारीख की वजह से आज महाराष्ट्र में परिवर्तन भी हुआ। मुंबई डेवलेप हो रही है। आज यहां पर जो योग हो रहा है। यहां पर ऐसी जगह थी क्या। पूरे राज्य में बहुत बड़े पैमाने पर डेवलेपमेंट हो रहा है। ये लोगों और आम लोगों की सरकार है। हमारी सरकार ने बहुत काम किया है। इस बार भी देवेंद्र और हम राज्य को आगे बढ़ाएंगे।

हालांकि, पीएम मोदी साथ में है और डबल इंजन की सरकार है। अमित भाई भी इस राज्य को जहां–जहां जरूरत पड़ती है तो वहां–वहां मदद करते हैं।' शिवसेना, जिसकी स्थापना मूल रूप से बाल ठाकरे ने की थी, जून 2022 में उस समय दो गुटों में बंट गई जब एकनाथ शिंदे ने बगावत का नेतृत्व किया। इस विद्रोह के चलते उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली महा विकास अघाड़ी सरकार गिर गई। तब से लेकर अब तक दोनों गुटों के बीच तनाव और संघर्ष लगातार बना हुआ है। शिंदे ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर भी शुभकामनाएं दीं और दुनिया भर में योग को बढ़ावा देने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया। शिंदे ने कहा, "मैं अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सभी को बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों के कारण संयुक्त राष्ट्र ने इसे मान्यता दी है, इसलिए दुनिया इस दिवस को मनाती है। प्रधानमंत्री मोदी खुद हर दिन योग करते हैं, इसलिए वह स्वस्थ और फिट हैं। यही कारण है कि वह हमारे देश और इसकी अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान को भी सबक सिखाया।'

बांग्लादेश: आवामी लीग ने शेख हसीना के खिलाफ आईसीटी कार्यवाही को शो ट्रायल बताया

ढाका (एजेन्सी) अवामी लीग ने शनिवार को अपनी पार्टी की नेता और बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) द्वारा मुकदमे की कार्यवाही शुरू करने की कड़ी निंदा की। पार्टी ने इसे मुहम्मद यूनुस के अनिर्वाचित और अलोकतांत्रिक शासन के तहत संचालित ष्शो ट्रायलष करार दिया। पार्टी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि आज की कार्यवाही की शुरुआत एक बार फिर इस बात की याद दिलाती है कि बांग्लादेश अपने अनिर्वाचित, अलोकतांत्रिक नेता मुहम्मद यूनुस के शासन में किस चिंताजनक स्थिति में पहुंच गया है।अवामी लीग ने यह भी बताया कि संयुक्त राष्ट्र पहले ही आईसीटी प्रणाली में निष्पक्ष सुनवाई और कानूनी प्रक्रिया की कमी को लेकर चिंता जता चुका है। पार्टी का आरोप है कि जब से यूनुस ने सत्ता संभाली है, तब से न्यायाधिकरण ने केवल अवामी लीग के नेताओं पर ही कार्यवाही की है। आम लोगों, पत्रकारों, धार्मिक अल्पसंख्यकों और महिलाओं के खिलाफ हुए अपराधों को नजरअंदाज किया गया है। पार्टी ने शेख हसीना पर लगे आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि पिछले साल के प्रदर्शनों के दौरान भीड़ पर बल प्रयोग करने का कोई निर्देश प्रधानमंत्री या वरिष्ठ नेताओं ने नहीं दिया था। आगे कहा गया है, हम इस बात से इनकार नहीं करते कि तेजी से बदलते और विकट हालात में हिंसा की घटनाओं के जवाब में जमीन पर सुरक्षा बलों के कुछ सदस्यों के बीच अनुशासन के टूटने से दुखद रूप से जान का नुकसान हुआ। लेकिन, इसे देश के निर्वाचित नेतृत्व द्वारा अपने ही लोगों के खिलाफ नियोजित हमले के रूप में बताना गलत है। राजनीतिक नेतृत्व ने सड़क स्तर पर सुरक्षा बलों की ओर से इस्तेमाल की जाने वाली भीड़ नियंत्रण रणनीति को तैयार करने या निर्देशित करने में कोई भूमिका नहीं निभाई। पार्टी ने यह भी बताया कि उसने जवाबदेही तय करने के लिए अगस्त की शुरुआत में एक जांच आयोग बनाया और संयुक्त राष्ट्र को स्थिति देखने के लिए आमंत्रित भी किया। अवामी लीग ने यह सवाल भी उठाया कि क्या यह मुकदमा निष्पक्ष होगा, क्योंकि सरकार के कई अधिकारी पहले ही सार्वजनिक रूप से शेख हसीना को दोषी ठहरा चुके हैं। पार्टी ने कहा, "ऐसे हालात में निष्पक्ष न्याय संभव नहीं है। हसीना के साथ, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल और पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल–मामून को भी मामले में सह–आरोपी बनाया गया है। जांच में आरोप लगाया गया है कि हसीना ने राज्य सुरक्षा बलों, अपनी राजनीतिक पार्टी के सदस्यों और संबद्ध संगठनों को सरकार विरोधी प्रदर्शनों की बढ़ती लहर के खिलाफ क्रूर कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। विडंबना यह है कि न्यायाधिकरण की स्थापना शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय

अपराध (न्यायाधिकरण) अधिनियम के तहत की थी, जिसका उद्देश्य 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान बांग्लादेश के भूभाग में पाकिस्तानी सेना द्वारा अपने स्थानीय सहयोगियों की मदद से किए गए नरसंहार, मानवता के विरुद्ध अपराध, युद्ध अपराध और अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अन्य अपराधों के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों का पता लगाना, उन पर मुकदमा चलाना और उन्हें दंडित करना था। विश्लेषकों का मानना है कि यह घटनाक्रम यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार द्वारा किया जा रहा एक बड़ा राजनीतिक प्रतिशोध है, क्योंकि अगस्त 2024 में उनके पद से हटने के तुरंत बाद पूर्व प्रधानमंत्री और उनके समर्थकों के खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए थे। बता दें कि शेख मुजीबुर रहमान की बेटी और बांग्लादेश में लोकतंत्र की आवाज मानी जाने वाली शेख हसीना को 5 अगस्त को देश छोड़कर भारत में शरण लेनी पड़ी।

भारत की ईरान से पुरानी मित्र और इजरायल के साथ मजबूत रणनीतिक रिश्ते, ईरान-इजरायल जंग पर बोली सोनिया गांधी

नयी दिल्ली (एजेन्सी) ईरान और इजरायल के बीच जारी तनाव पर अपनी राय रखते हुए कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने एक अंग्रेजी अखबार में लेख लिखा है। उन्होंने भारत की भूमिका को लेकर कई अहम बातें कही हैं और केंद्र सरकार की विदेश नीति पर सवाल भी उठाए हैं। सोनिया गांधी ने अपने लेख में लिखा कि ईरान भारत का पुराना और भरोसेमंद मित्र रहा है। दोनों देशों के संबंध ऐतिहासिक और गहरे रहे हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि 1994 में संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार आयोग में कश्मीर मुद्दे पर भारत के खिलाफ लाया गया प्रस्ताव ईरान की मदद से रोका गया था। उस समय ईरान ने भारत का समर्थन कर अहम भूमिका निभाई थी। सोनिया गांधी ने कहा कि भारत और इजरायल के बीच भी पिछले कुछ दशकों में मजबूत रणनीतिक रिश्ते बने हैं। उन्होंने लिखा कि भारत की यह विशेष स्थिति उसे एक सेतु यानी पुल की भूमिका निभाने का मौका देती है, जिससे वह इस क्षेत्र में तनाव को कम करने और शांति की दिशा में प्रयास कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया में लाखों भारतीय काम कर रहे हैं, इसलिए इस क्षेत्र की शांति भारत के राष्ट्रीय हित से जुड़ा मुद्दा है।

अपने लेख में सोनिया गांधी ने फिलिस्तीन के मुद्दे पर केंद्र की मोदी सरकार की आलोचना भी की। उन्होंने कहा कि भारत लंबे समय से एक स्वतंत्र और संप्रभु फिलिस्तीन के पक्ष में खड़ा रहा है, जो इजरायल के साथ शांतिपूर्वक रह सके। लेकिन मौजूदा सरकार ने इस सिद्धांतवादी नीति से किनारा कर लिया है, जो बेहद चिंताजनक है। सोनिया गांधी ने कहा कि गाजा में जारी मानवीय संकट और ईरान के खिलाफ बढ़ते तनाव को लेकर भारत की चुप्पी उसकी नैतिक और कूटनीतिक परंपराओं से मेल नहीं खाती। उन्होंने लिखा, अभी बहुत देर नहीं हुई है। भारत को चाहिए कि वह स्पष्ट रूप से अपनी बात रखे, जिम्मेदारी से काम करे और सभी कूटनीतिक माध्यमों का इस्तेमाल करे ताकि तनाव को कम किया जा सके

सम्पादकीय

मोदी की ट्रंप से खरी बात, आतंकवाद को बेनकाब करना जरूरी

प्रधानमंत्री मोदी ने कनाडा में जी–7 देशों के शिखर सम्मेलन में इन देशों की आतंकवाद पर दोहरी नीति को उनके सम्मुख ही बेनकाब करने के साथ वहीं से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर लंबी वार्ता में जो कुछ कहा, उससे अमेरिका को यह समझ आ जाए तो बेहतर कि भारत कश्मीर अथवा अन्य किसी मामले में किसी के दबाव में आने वाला नहीं है। यह अपेक्षित ही नहीं, आवश्यक था कि भारतीय प्रधानमंत्री ट्रंप के इन दावों पर स्पष्ट रूप से कुछ कहते कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच कथित तौर पर संघर्षविराम कराया और इसके लिए उन्होंने दोनों देशों को व्यापार करने का प्रस्ताव रखकर सैन्य टकराव थामा। प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे कहा कि ऐसा कहीं कुछ नहीं था और भारत से इस संदर्भ में कोई बात ही नहीं हुई। इसका अर्थ है कि ट्रंप का बार–बार दोहराया जाने वाला दावा फर्जी है। मोदी ने दो टूक शब्दों में यह भी साफ किया कि भारत ने कश्मीर पर न तो कभी मध्यस्थता स्वीकार की है और न ही करेगा। ट्रंप को यह सब सुनना अच्छा तो नहीं लगा होगा, लेकिन उन्हें यह पता होना चाहिए कि जब भारत आर्थिक रूप से इतना सशक्त नहीं था और उसका आज जैसा अंतरराष्ट्रीय स्तर कद भी नहीं था, तब यदि उसने कश्मीर पर किसी तीसरे देश को बीच–बचाव करने का मौका नहीं दिया तो फिर आज ऐसा कैसे कर सकता है? यदि अमेरिकी राष्ट्रपति और उनके सहयोगी यह साधारण सी बात नहीं समझते तो इसके लिए वे अपने अलावा अन्य किसी को दोष नहीं दे सकते। आज इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अमेरिका का वह प्रभाव नहीं रहा, जो दो–तीन दशक पहले हुआ करता था। यह भी कटु सत्य है कि ट्रंप के फिर से राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका की फजीहत ही अधिक हो रही है।

बड़ी–बड़ी बातें करने के बावजूद ट्रंप न तो रूस–यूक्रेन युद्ध रोक सके और न ही अपनी मनमानी टैरिफ नीति पर कायम रह सके। यह सही है कि वे अपने ढंग के अनोखे राष्ट्रपति हैं और कई बार राजनयिक शिष्टाचार भी भुला देते हैं, पर इसका यह मतलब नहीं कि भारत उनके अनुचित दबाव में आ जाए। भारतीय प्रधानमंत्री ने एक जरूरी काम यह भी किया कि उन्होंने कनाडा से अमेरिका आ जाने के ट्रंप के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। ऐसा करना इसलिए अनिवार्य था, क्योंकि ट्रंप पाकिस्तान के जिहादी सोच और आतंक को खुला समर्थन देने वाले सेना प्रमुख आसिम मुनीर से मुलाकात की तैयारी कर रहे थे। यदि ट्रंप को अपने निजी स्वार्थों के चलते पाकिस्तान की हरकतें स्वीकार हैं तो वे उन्हें मुबारक। यह अच्छा हुआ कि भारतीय प्रधानमंत्री ने उनसे यह भी कहा कि भारत अब आतंकवाद को युद्ध के रूप में ही देखेगा। यह पाकिस्तान को भी सीधा संदेश है। इसका अर्थ है कि ट्रंप का बार–बार दोहराया जाने वाला दावा फर्जी है। मोदी ने दो टूक शब्दों में यह भी साफ किया कि भारत ने कश्मीर पर न तो कभी मध्यस्थता स्वीकार की है और न ही करेगा। ट्रंप को यह सब सुनना अच्छा तो नहीं लगा होगा, लेकिन उन्हें यह पता होना चाहिए कि जब भारत आर्थिक रूप से इतना सशक्त नहीं था और उसका आज जैसा अंतरराष्ट्रीय स्तर कद भी नहीं था, तब यदि उसने कश्मीर पर किसी तीसरे देश को बीच–बचाव करने का मौका नहीं दिया तो फिर आज ऐसा कैसे कर सकता है? यदि अमेरिकी राष्ट्रपति और उनके सहयोगी यह साधारण सी बात नहीं समझते तो इसके लिए वे अपने अलावा अन्य किसी को दोष नहीं दे सकते।

ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को पूरी तरह खत्म किया

ईरान और इजराइल के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। इस दौरान सबका ध्यान इस इस्लामी गणराज्य के फोर्डो परमाणु केंद्र की ओर लग गया है जोकि एक पहाड़ के भीतर गहराई में बताया जाता है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा माने जाने वाला यह केंद्र विशेष रूप से डिजाइन किया गया है ताकि इसे किसी भी प्रकार के हमलों से बचाया जा सके। बड़े से बड़ा बम और मिसाइल हमला इसका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। इसे नष्ट करने का मतलब है ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को पूरी तरह खत्म करना। ईरान जहां एक ओर अपने इस केंद्र की सुरक्षा के प्रति आश्वस्त है तो वहीं अमेरिका को इस केंद्र को उड़ाने की अपनी ताकत पर पूरा भरोसा है। हम आपको बता दें कि पूरी दुनिया में सिर्फ अमेरिका के पास ऐसा हथियार है जो उस पहाड़ को भेद सकता है। इसे बंकर बस्टर बम कहा जाता है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक 'बंकर–बस्टर' बम को आधिकारिक रूप से मैसिव ऑर्डनेंस पेनिट्रेटर (डव्) कहा जाता है। हम आपको बता दें कि 30,000 पाउंड के वजन वाला यह बम इंजीनियरिंग की एक अद्भुत उपलब्धि है, जिसे विशेष रूप से गहराई में छिपे और किलेबंद लक्ष्यों को नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। आमतौर पर इसे "बंकर–बस्टर" कहा जाता है। इसका विकास तब हुआ जब खुफिया एजेंसियों को यह पता चला कि ईरान और उत्तर कोरिया जैसे विरोधी देश अपनी परमाणु सुविधाओं को हवाई हमलों से बचाने के लिए उसे जमीन के नीचे ले जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है कि आकार और संरचना के मुताबिक यह बम 20 फीट लंबा और 30,000 पाउंड वजनी होता है। इसमें बड़ा विस्फोटक नहीं बल्कि मजबूत स्टील की परत होती है, जिससे यह जमीन, कंक्रीट और चट्टानों की कई परतों को भेदते हुए लक्ष्य तक पहुँच सकता है और फिर विस्फोट करता है। बताया जाता है कि इसकी भारी मात्रा और आकार के कारण केवल ठ–2 स्पिरिट स्टील्थ बॉम्बर ही इस बम को ले जा सकता है और गिरा सकता है। हम आपको बता दें कि यह स्टील्थ बॉम्बर दुनिया में सिर्फ अमेरिका के पास है। ईरान से सीधे भिड़ रहे इजराइल को भरोसा है कि जरूरत पड़ने पर अमेरिका अपने इस अचूक हथियार का प्रयोग जरूर करेगा क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (प्।म्।) ने एक रिपोर्ट में कहा था कि फोर्डो केंद्र में ईरान परमाणु हथियार बनाने की 90: सीमा के बेहद करीब पहुँच गया है। वैसे इजराइल के पास उन्नत लड़ाकू विमान और खुफिया क्षमताएँ हैं जिनका इस्तेमाल वह ईरान को नुकसान पहुँचाने में कर रहा है और आगे और भी कर सकता है लेकिन उसके पास न तो मैसिव ऑर्डनेंस पेनिट्रेटर यानि डव् है और न ही वह विमान है जिससे इसे गिराया जा सके। हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका ने अब तक यह बम इजराइल को देने से इंकार किया है, क्योंकि इससे क्षेत्रीय युद्ध भड़क सकता है। अमेरिका इस बम को अब तक मात्र एक निवारक हथियार के रूप में इस्तेमाल करता है और ईरान को यह संकेत देता है कि उसकी भूमिगत सुविधाएँ पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं। यह भी बताया जा रहा है कि डव् तक पहुँच नहीं होने के कारण, इजराइल ने फोर्डो को अप्रत्यक्ष रूप से निष्क्रिय करने के लिए वैकल्पिक योजनाएँ बनाई हैं।

बताया जा रहा है कि इजराइली बल फोर्डो को बिजली देने वाले जनरेटर या ट्रांसमिशन साइट्स को निशाना बना सकते हैं, जिससे इसकी गतिविधियाँ बाधित हो सकती हैं, भले ही मुख्य सुविधा बनी रहे। इसके अलावा, इजराइली कमांडो फोर्डो में घुसपैठ कर उसमें तोड़फोड़ कर सकते हैं। हम आपको बता दें कि यह रणनीति इजराइल पहले भी इस्तेमाल कर चुका है, जैसे सीरिया में हिज्बुल्ला के मिसाइल कारखाने को नष्ट किया गया था। इसके अलावा इजराइल के पास एक और विकल्प है कि फोर्डो का प्रवेश द्वार और सुरंगों को नष्ट कर दिया जाये ताकि इस केंद्र तक पहुँचना असंभव हो जाए। हम आपको बता दें कि फोर्डो, ईरान की दूसरी परमाणु संवर्धन सुविधा केंद्र नतांज से छोटा है और ईरान की राजधानी तेहरान से लगभग 95 किलोमीटर दक्षिण–पश्चिम में कोम शहर के पास एक पहाड़ के भीतर स्थित है। इसका निर्माण 2006 में शुरू हुआ था और यह 2009 में चालू हुआ था। उसी साल ईरान ने इसकी मौजूदगी को सार्वजनिक किया था। बताया जाता है कि फोर्डो लगभग 80 मीटर (260 फीट) गहराई में चट्टान और मिट्टी के नीचे बसा हुआ है और इसे ईरान और रूस द्वारा आपूर्ति किए गए सतह से हवा में मार करने वाले मिसाइल सिस्टम से भी सुरक्षा प्राप्त है। हालांकि, हालिया इजराइली हवाई हमलों में इन वायु रक्षा प्रणालियों के प्रभावित होने की संभावना जताई गई है।

दुनिया में कोई फ्री में नहीं खिलाता

नीरज कुमार दुबे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल असीम मुनीर के साथ दोपहर का भोज करके पूरी दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि पाकिस्तान में सरकार नहीं बल्कि सेना ही असली ताकत रखती है। ट्रंप ने जिस तरह से असीम मुनीर को खाना खिलाते समय कहा कि मुझे पाकिस्तान से प्यार है उससे यह भी संकेत मिले कि अमेरिकी राष्ट्रपति के मन में कुछ बड़ा चल रहा है। हम आपको बता दें कि ईरान पर हमला करने की तैयारी कर चुका अमेरिका चाहता है कि पाकिस्तान उसकी मदद करे। हम आपको याद दिला दें कि अफगानिस्तान में तालिबान शासन को उखाड़ने के लिए भी अमेरिका ने पाकिस्तान को अपना बेस बनाया था। चूंकि ईरान की सीमाएं भी पाकिस्तान के साथ लगती हैं इसलिए अमेरिका चाहता है कि पाकिस्तान एक बार फिर उसे अपना बेस वहां बनाने दे ताकि उसके लड़ाकू विमान वहीं से उड़ान भर सकें। अमेरिका जानता है कि पाकिस्तान में इस बात की इजाजत वहां की सरकार नहीं बल्कि सेना ही दे सकती है इसलिए मुनीर को लंच पर बुलाया गया। इसके अलावा इजराइल भी चाहता है कि ईरान को किसी भी मुस्लिम देश की मदद नहीं मिले, इसके लिए उसने अमेरिका से पाकिस्तान को समझाने के लिए कहा था। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान और इजराइल के बीच राजनयिक संबंध नहीं हैं और हाल ही में पाकिस्तान ने ईरान पर हुए इजराइली हमलों की निंदा की है इसलिए ट्रंप यह सुनिश्चित कर रहे थे कि पाकिस्तान ईरान की मदद के लिए आगे नहीं आये। इसके अलावा ट्रंप का एक और गेम प्लान यह था कि वह मुनीर को लंच कराने के दौरान उनकी भेंट भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से करवा दी जाये लेकिन मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति की यह चाल समझ गये थे इसलिए उन्होंने कनाडा से लौटते वक्त अमेरिका में कुछ समय रुकने का उनका आग्रह ठुकरा दिया था। मोदी समझ गये थे कि यदि ट्रंप ने अचानक उनकी और मुनीर की भेंट करवा कर दुनिया के सामने फिर से

जहां तक ट्रंप और मुनीर के लंच की बात है तो बताया जा रहा है कि पहला निवाला मुंह में डालते ही मुनीर के होश उड़ गये क्योंकि वह कट्टरपंथी स्वभाव के हैं इसलिए उन्हें यह बात रास नहीं आई कि वह ईरान का साथ देने की बजाय इजराइल को अपना मिशन पूरा करते हुए देखें। मुनीर को ट्रंप की रोटी खाते ही यह बात समझ आ गयी कि दुनिया में कोई भी फ्री में कुछ नहीं खिलाता। वैसे भी ट्रंप राजनीतिज्ञ कम, व्यापारी ज्यादा हैं और उन्हें पता है कि पाकिस्तान के किसी भी सेनाध्यक्ष को मुंहमांगी कीमत देकर आसानी से खरीदा जा सकता है। यही काम ट्रंप ने किया और मुनीर को अपने पाले में कर लिया। वैसे, अमेरिकी राजनीति के इतिहास में यह दुर्लभ ही नहीं बल्कि अभूतपूर्व घटना है कि कोई अमेरिकी राष्ट्रपति किसी विदेशी सैन्य प्रमुख को लंच पर बुलाए।

यह दावा कर दिया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सुलह करवा दी है तो उनके लिए घरेलू राजनीतिक मोर्चे पर नई मुश्किल खड़ी हो जायेगी। जहां तक ट्रंप और मुनीर के लंच की बात है तो बताया जा रहा है कि पहला निवाला मुंह में डालते ही मुनीर के होश उड़ गये क्योंकि वह कट्टरपंथी स्वभाव के हैं इसलिए उन्हें यह बात रास नहीं आई कि वह ईरान का साथ देने की बजाय इजराइल को अपना मिशन पूरा करते हुए देखें। मुनीर को ट्रंप की रोटी खाते ही यह बात समझ आ गयी कि दुनिया में कोई भी फ्री में कुछ नहीं खिलाता। वैसे भी ट्रंप राजनीतिज्ञ कम, व्यापारी ज्यादा हैं और उन्हें पता है कि पाकिस्तान के किसी भी सेनाध्यक्ष को मुंहमांगी कीमत देकर आसानी से खरीदा जा सकता है। यही काम ट्रंप ने किया और मुनीर को अपने पाले में कर लिया। वैसे, अमेरिकी राजनीति के इतिहास में यह दुर्लभ ही नहीं बल्कि अभूतपूर्व घटना है कि कोई अमेरिकी राष्ट्रपति किसी विदेशी सैन्य प्रमुख को लंच पर बुलाए। हालांकि अयूब खान, जिया–उल–हक और परवेज मुशर्रफ जैसे पाकिस्तानी सैन्य नेताओं ने अतीत में अमेरिकी राष्ट्रपतियों से मुलाकात की थी, लेकिन उन्होंने यह मुलाकात तब की थी जब वे सैन्य तख्तापलट के बाद पाकिस्तान के नेता बन गए थे। हम आपको यह भी बता दें कि जिया–उल–हक और मुशर्रफ ने भी अमेरिका से अरबों डॉलर की सैन्य सहायता और अनुदान प्राप्त करने के लिए पाकिस्तान को एक षकिराए की सेनाष में बदल दिया था। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों में भी कहा गया है कि ट्रंप की इस पहल को मुनीर को पाकिस्तान का वास्तविक नेता मानने के तौर पर देखा जा रहा है। साथ ही ऐसा प्रतीत होता है कि अमेरिका ईरान में अपने संभावित हमलों के लिए मुनीर का समर्थन प्राप्त करना चाहता है। इसके साथ ही अमेरिका और इजराइल यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ईरान इस्लामी दुनिया में अलग–थलग रहे और उसे पाकिस्तान का समर्थन नहीं मिले। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक ट्रंप की अजीबो–गरीब नीतियों को देखते हुए, यह भी संभव है कि मुनीर को चेतावनी दी गई हो कि अगर इस्लामाबाद ने ईरान का समर्थन किया तो परिणाम भुगतने होंगे। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान की सरकार ने इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों की निंदा की है और उन्हें षईरान की संप्रभुता का खुला उल्लंघनष और षअनुचित तथा अवैध आक्रामकताष बताया है। एक रोचक तथ्य यह भी है कि वैसे तो मुनीर कट्टर इस्लामवादी माने जाते हैं, मगर उनके बारे में अमेरिका में रहने वाले इमरान खान की पीटीआई पार्टी के समर्थकों का आरोप है कि वह इजराइल समर्थक हैं और अमेरिका–इजराइल की ईरान के खिलाफ कार्रवाई का समर्थन कर रहे हैं ताकि पाकिस्तान एकमात्र इस्लामी परमाणु शक्ति बना रहे। हम आपको बता दें कि पीटीआई कार्यकर्ताओं ने ही सबसे पहले मुनीर की अमेरिका में गुप्त यात्रा का खुलासा किया था और आरोप लगाया था कि उन्होंने वॉशिंगटन डीसी में एक इजराइल समर्थक लॉबी समूह ।प्च।ब की बैठक में भाग लिया। उन्होंने उनके अमेरिकी सहयोगी साजिद तारार को षइजराइल का कट्टर समर्थक और फिलिस्तीनी व ईरानी मुसलमानों का दुश्मनष बताया था। जहां तक ट्रंप और मुनीर के लंच के बाद आये अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान की बात है तो आपको बता दें कि उन्होंने कहा है कि षमुझे पाकिस्तान से प्यार हैष। साथ ही उन्होंने यह दावा किया है कि मुनीर ने भारत के साथ एक विनाशकारी युद्ध को टाल दिया। ट्रंप ने कहा, मुनीर इस युद्ध को पाकिस्तान की ओर से रोकने में बेहद प्रभावशाली था। यह भी कहा जा रहा है कि मुनीर को अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से लंच का निमंत्रण उस समय आया जब उन्होंने ट्रंप को भारत–पाक परमाणु युद्ध को रोकने के लिए नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित किए जाने की सिफारिश की। यह भी बताया जा रहा है कि यह लंच मीटिंग पाकिस्तानी–अमेरिकी व्यवसायी साजिद तारार के प्रयासों से आयोजित हुई, जो ट्रंप के लंबे समय से समर्थक और षअमेरिकन मुस्लिम्स फॉर ट्रंपष समूह के संस्थापक हैं। तारार पिछले तीन रिपब्लिकन राष्ट्रीय सम्मेलन में वक्ता रहे हैं और उनकी ड।ळ। विचारधारा से करीबी के कारण उनके बेटे को ट्रंप के पहले कार्यकाल में स्टेट डिपार्टमेंट में नियुक्ति मिली थी। रिपोर्टों के मुताबिक तारार ने फोर सीजन्स होटल में मुनीर के लिए एक सामुदायिक स्वागत समारोह भी आयोजित किया, जिसमें सेना प्रमुख ने प्रवासी पाकिस्तानियों को पाकिस्तान के षसच्चे राजदूतष बताया और उनके रेमिटेंस, निवेश और उपलब्धियों के माध्यम से अर्थव्यवस्था और वैश्विक छवि में योगदान की सराहना की। बहरहाल, पाकिस्तान को अपने पहले कार्यकाल में षधोखेबाजष और षआतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाहष कहने वाले ट्रंप का आतंकी देश के प्रति अचानक यू–टर्न पूरी दुनिया को चौंका रहा है। लेकिन सब यह भी समझ रहे हैं कि अमेरिका इस समय पाकिस्तान का उपयोग करना चाह रहा है। अमेरिका में तो ट्रंप के इन पैतरों का विश्लेषण भी शुरू हो गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा विश्लेषक डेरेक ग्रॉसमैन ने कहा, षयह काफी हैरानी वाली बात है कि ट्रंप ने मोदी को चुपचाप व्हाइट हाउस आमंत्रित करने की कोशिश की जब असीम मुनीर भी वहां लंच के लिए मौजूद थे। उन्होंने कहा कि ट्रंप को भारत–पाकिस्तान तनावों की पृष्ठभूमि और इतिहास की कोई समझ नहीं है, वह बस एक फोटो खिंचवाना चाहते हैं ताकि बाद में नोबेल पुरस्कार मिल सके।

वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध पुन: गढ़े जा रहे झूठे विमर्श

भारत एक विशाल देश है जिसमें 60 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या आज भी गावों में निवास करती है। भारत में 28 राज्य एवं 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं। बांग्लादेश, भारत के सामने एक पिद्दी सा देश है। यदि तुलना करनी ही हो तो भारत की तुलना चीन से की जा सकती है। इसी प्रकार, बांग्लादेश की तुलना स्विट्जरलैंड, नीदरलैण्ड, स्वीडन आदि जैसे छोटे देशों से की जा सकती है। स्विट्जरलैंड में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 99,564 अमेरिकी डॉलरय नीदरलैण्ड में 64,572 अमेरिकी डॉलर एवं स्वीडन में 55,516 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति है।

प्रहलाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर आर्थिक जगत में भारत का उदय कुछ देशों को रास नहीं आ रहा है। विकसित देशों के बीच पूरे विश्व में भारत आज सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। जापान, ब्रिटेन, फ्रांन्स, इटली आदि देशों से आगे निकलते हुए भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और शीघ्र ही लगभग एक वर्ष के बाद जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए भारत के विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के आसार भी अब स्पष्टतरू दिखाई दे रहे हैं। भारत एक ओर अतिआधुनिक तकनीकि के आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स एवं डाटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में पूरे विश्व का नेतृत्व करता हुआ दिखाई दे रहा है तो दूसरी ओर वित्तीय क्षेत्र में ऑनलाइन व्यवहारों के मामले में भी भारत आज कई देशों का मार्गदर्शन करता हुआ दिखाई दे रहा है। कुल मिलाकर भारत आज लगभग प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनते हुए विश्व के अन्य देशों पर अपनी निर्भरता को कम करता जा रहा है। भारत के विकास की यह गति एवं राह कुछ देशों को बिलकुल उचित नहीं लग रही है एवं वे वैमनस्य का भाव पालते हुए भारत के विरुद्ध एक बार पुनः कुछ झूठे विमर्श गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2,730 अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है, जबकि बांग्लादेश में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 2,870 अमेरिकी डॉलर है। इस प्रकार, भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में बांग्लादेश जैसे छोटे देश से भी पीछे है। अतः यह झूठा विमर्श गढ़ने का प्रयास किया जा रहा है भारत में किस प्रकार का आर्थिक विकास हो रहा है जिससे भारतीय नागरिकों की आय तो उतनी तेजी से नहीं बढ़ पा रही है, जिस तेजी से भारत का आर्थिक विकास होता हुआ दिखाई दे रहा है। आंकड़ों का उचित तरीके से विश्लेषण न करते हुए भारत के संदर्भ में गलत जानकारी देने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि किसी भी मामले में तुलना दो आमों के बीच ही सम्भव है आम एवं संतरे के बीच तुलना कैसे सम्भव है। भारत की जनसंख्या 140 करोड़ है, जबकि बांग्लादेश की जनसंख्या केवल 17 करोड़ से कुछ ही अधिक है। भारत एक विशाल देश है जिसमें 60 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या आज भी गावों में निवास करती है। भारत में 28 राज्य एवं 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं। बांग्लादेश, भारत के सामने एक पिद्दी सा देश है। यदि तुलना करनी ही हो तो भारत की तुलना चीन से की जा सकती है। इसी प्रकार, बांग्लादेश की तुलना स्विट्जरलैंड, नीदरलैण्ड, स्वीडन आदि जैसे छोटे देशों से की जा सकती है। स्विट्जरलैंड में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 99,564 अमेरिकी डॉलरय नीदरलैण्ड में 64,572 अमेरिकी डॉलर एवं स्वीडन में 55,516 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति है। ब्रिटेन ने जब भारत में अपनी सत्ता को छोड़ा था अर्थात भारत ने वर्ष 1947 में जब राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त की थी तब भारत की 70 प्रतिशत से अधिक आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रही थी, परंतु आज केवल 4 से 4.5 प्रतिशत भारतीय ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। जबकि, बांग्लादेश में लगभग 19 प्रतिशत नागरिक गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर हैं। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार आज 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है जबकि बांग्लादेश के सकल घरेलू उत्पाद का आकार केवल लगभग 46,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। सकल घरेलू उत्पाद को देश की कुल जनसंख्या से बांट कर ही प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े को प्राप्त किया जा सकता है। भारत की जनसंख्या 140 करोड़ से अधिक है जबकि बांग्लादेश की जनसंख्या मात्र 17 करोड़ है। इससे प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का आंकड़ा बांग्लादेश की तुलना में कुछ कम हो जाता है। भारत में पिछले कुछ वर्षों के दौरान बहुत संतुलित विकास हुआ है। भारत में न केवल धनाढयों की संख्या में अपार वृद्धि दर्ज हुई हे बल्कि गरीबी उन्मूलन पर भी पर्याप्त ध्यान दिया गया है जिससे गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में भी अतुलनीय कमी दर्ज हुई है। बांग्लादेश की तुलना में भारत एक विशाल देश है एवं भारत के कई राज्यों यथा महाराष्ट्र, गुजरात एवं तमिलनाडु आदि का प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बांग्लादेश की तुलना में दुगने से तिगुने आकार का है। इसी प्रकार, भारत के राज्य अभी भी कुछ पिछड़े राज्यों की श्रेणी में शामिल है, जैसे, बिहार, झारखंड आदि। परंतु किसी भी देश के प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का औसत निकालते समय देश के समस्त राज्यों के आंकड़ों को शामिल करना होता है। इस कारण से भी भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का औसत कुछ कम हो जाता है। हाल ही के समय में एक और कुतर्क दिया जा रहा है कि भारत में तेज गति से हो रही आर्थिक प्रगति के बीच भी बच्चों की जन्म–मृत्यु की दर अफ्रीकी देशों के समान बनी हुई है। इस प्रकार का झूठा विमर्श गढ़ते समय संभवतरू वास्तविक स्थिति की ओर ध्यान ही नहीं दिया गया है। रजिस्ट्रार जनरल आफ इंडिया की एसआरएस रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 1,000 शिशुओं के जन्म के बीच शिशुओं की जन्म–मृत्यु दर केवल 26 है। जबकि अफ्रीकी देशों यथा नाईजीरिया में 67, कांगो में 62 एवं ईथियोपिया में 34 है। इन सभी अफ्रीकी देशों की तुलना में भारत में शिशुओं की जन्म–मृत्यु दर कम है। अतः भारत अब अफ्रीकी देशों से इस मामले में बहुत आगे निकल आया है। हां, इस संदर्भ में भारत की तुलना यदि विकसित देशों से की जाएगी यथा अमेरिका में 5 एवं जापान में 2, तब जरूर भारत में इस स्थिति को अभी और अधिक सुधारने की आवश्यकता है, जिसके लिए केंद्र सरकार लगातार प्रयास कर रही है। विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार बहुत तेज गति से किया जा रहा है। जिला स्तर पर मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की जा रही है। भारत में इस संदर्भ में क्षेत्रीय विषमता भी दिखाई देती है। जैसे, केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली जैसे विकसित राज्यों में शिशुओं के जन्म के बीच जन्म–मृत्यु दर 10–15 के बीच ही है, जबकि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं बिहार जैसे राज्यों में यह 40–50 के बीच बनी हुई है। हालांकि धीमे धीमे इन राज्यों में भी तेजी से सुधार दृष्टिगोचर है। देश में संस्थागत प्रसव की दर में सुधार हुआ है, परंतु जननी सुरक्षा, पोषण एवं टीकाकरण के क्षेत्रों में विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में अभी भी प्रयासों को गति दी जा रही है। इसी प्रकार, ग्रामीण इलाकों में अति पिछड़े परिवारों (विशेष रूप से अनुसूचित जनजाति के क्षेत्रो में) के बीच गंदे पानी का उपयोग, कुपोषण, प्रसव के पूर्व की देखभाल में कमी के चलते शिशुओं के जन्म के बीच जन्म–मृत्यु दर को अभी और कम किया जाना शेष है। भारत में हालांकि स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से सुधार हुआ है, पर कुछ राज्यों पर अभी भी विशेष ध्यान केंद्रित कर श्एक भारत श्रेष्ठ भारतश नीति से स्वास्थ्य सेवाओं को संतुलित किया जा रहा है। एक तीसरा झूठा विमर्श और खड़ा किया जा रहा है कि जब भारत आर्थिक प्रगति के पथ पर तेज गति से दौड़ रहा है तो फिर 80 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज क्यों उपलब्ध कराया जा रहा है? तथ्यात्मक रूप से यह सही है कि भारत में "प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना" के अंतर्गत भारत में केंद्र सरकार द्वारा देश के 80 करोड़ नागरिकों को 5 किलो मुफ्त राशन प्रति माह उपलब्ध कराया जा रहा है। दरअसल, भारत में अभी भी गरीबी पूर्ण रूप से समाप्त नहीं हुई है। सरकार का यह परम कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों को पर्याप्त मात्रा में भोजन उपलब्ध करवाए। कोरोना महामारी के खंडकाल में देश के नागरिकों पर आई प्राकृतिक आपदा के चलते करोड़ों की संख्या में नागरिकों ने अपने रोजगार खोए थे तथा इस गम्भीर समय में केंद्र सरकार ने अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए देश के गरीब नागरिकों को उक्त योजना के अंतर्गत खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना प्रारम्भ किया था, जो आज भी जारी है। दरअसल इसी योजना के चलते भारत में आज लाखों परिवार गरीबी रेखा से ऊपर उठकर मध्यम श्रेणी परिवार की श्रेणी में शामिल हो गए हैं एवं देश के आर्थिक विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। कोरोना महामारी के खंडकाल में मंहगाई एवं बेरोजगारी के दौर में देश के नागरिकों को आजीविका की गारंटी देना आवश्यक था। जब तक देश के समस्त परिवार आत्मनिर्भर नहीं जो जाते तब तक इसे एक "ट्रैंजीशनल सिक्यूरिटी नेट" माना जा सकता है। हां, आगे आने वाले 3–5 वर्षों के दौरान इस योजना के अंतर्गत शामिल नागरिकों की संख्या को कम जरूर किया जाना चाहिए क्योंकि जो परिवार अब गरीबी रेखा से ऊपर उठकर मध्यम श्रेणी परिवार की श्रेणी में शामिल हो गए है, ऐसे परिवारों को उक्त योजना का लाभ अब बंद किया जाना चाहिए।

हम बच्चों की पढ़ाई में अंग्रेजी की उपेक्षा नहीं कर सकते हैं

नए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क (नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क या एनसीएफ) में क्षेत्रीय भाषाओं में बुघनियादी शिक्षा देने पर जोर दिए जाने का स्वागत किया जाना चाहिए। लेकिन जिस वैश्वीकृत दुनिया में हम आज रह रहे हैं, उसकी जरूरतों को देखते हुए अंग्रेजी में शिक्षा प्रदान करने पर भी पर्याप्त ध्यान देना जरूरी है। भले ही हम अंग्रेजी को बाहरी भाषा बताकर उसकी आलोचना करते हों, लेकिन हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में यह बेहद जरूरी होती जा रही है। सामाजिक, आर्थिक, व्यावसायिक प्रगति में अंग्रेजी की महत्ता देखते हुए अब इसकी उपेक्षा नहीं की जा सकती। भारतीय युवा इस भाषा को न केवल रोजगार, बल्कि व्यावसायिक और सामाजिक तौर पर भी महत्वपूर्ण मानते हैं। एनसीएफ इस बात पर जोर देता है कि स्कूलों में साक्षरता की पहली भाषा (आर–1) आदर्श तौर पर विद्यार्थी की मातृभाषा या एक जानी–पहचानी क्षेत्रीयध्राज्यभाषा होनी चाहिए, क्योंकि इससे विद्यार्थियों का भाषाई, सांस्कृतिक और बौद्धिक विकास होगा। वो बेहतर ढंग से पढ़ाई कर पाएंगे। यदि संसाधनों की कमी, कक्षाओं की विविधता और किसी बोली की मानक लिपि का अभाव होने जैसी अन्य व्यावहारिक समस्याएं आती हों तो आर–1 के तौर पर राज्यभाषा का उपयोग किया जा सकता है। विद्यार्थी जब तक किसी दूसरी भाषा में बुनियादी साक्षरता हासिल ना कर लें, उनके लिए निर्देशों का माध्यम आर–1 ही रहनी चाहिए। यानी जोर इस बात पर है कि विद्यार्थी दो भाषाओं (आर–1 और आर–2) को भली प्रकार से समझने लग जाएं। एनसीएफ के एकीकृत और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी स्कूलों को एक इम्प्लीमेंटेशन कमेटी बनानी है, जो विद्यार्थियों की मातृभाषा की मैपिंग, भाषा–संसाधनों और पाठ्यक्रम में फेरबदल के लिए जिम्मेदार होगी। गर्मी की छुट्टियां खत्म होने तक सभी स्कूलों को पाठ्यक्रम में फेरबदल का काम पूरा कर लेना है, ताकि निर्देशों की भाषा के तौर पर आर–1 का उपयोग और जरूरत पड़ने पर सही तरीके से आर–2 (मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा के अलावा दूसरी वैकल्पिक भाषा) का प्रयोग किया जा सके। जुलाई 2025 में फ्रेमवर्क का पालन शुरू होने से पहले शिक्षकों का प्रशिक्षण भी पूरा हो जाना चाहिए। स्कूल चाहें तो पाठ्यक्रमों में बदलाव, संसाधनों की खरीद आदि के लिए कुछ अतिरिक्त समय ले सकते हैं, लेकिन ध्यान रखना होगा कि बेवजह देरी ना हो और मासिक रिपोर्ट समय से भेजी जा सकें। इसमें संदेह नहीं कि एनसीएफ को बहुत सावधानीपूर्वक विकसित किया गया होगा, इसके बावजूद यह नौकरी की तलाश कर रहे भारतीय युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप नहीं है। लोकनीति–सीएसडीएस की ओर से 2016 में 15 से 33 वर्ष के युवाओं पर किए गए एक सर्वे में 62 प्रतिशत युवाओं ने स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा को महत्वपूर्ण माना, 23 प्रतिशत ने नहीं माना और 15 प्रतिशत ने कोई राय नहीं दी। 2021 के एक अन्य सर्वे में 38 प्रतिशत युवाओं ने माना कि नौकरी तलाशने में अंग्रेजी बोलने की क्षमता का महत्व है। 35 प्रतिशत ने इसे ध्थोड़ा जरूरी माना, जबकि 18 प्रतिशत ने माना कि यह कतई महत्वपूर्ण नहीं है। अंग्रेजी को लेकर भारतीय युवाओं की सोच में अब भी शायद ही कोई बदलाव हुआ हो। हाल के एक सर्वे में भी 46 प्रतिशत युवाओं ने माना है कि नौकरी तलाशने में अंग्रेजी का ज्ञान बहुत जरूरी है। 31 प्रतिशत कहते हैं कि यह किसी हद तक जरूरी है। सिर्फ 11 प्रतिशत मानते हैं कि यह बिल्कुल महत्वपूर्ण नहीं और 5 प्रतिशत इस मत के बिल्कुल खिलाफ हैं। भारतीय युवा अंग्रेजी को ना सिर्फ जॉब–मार्केट के लिए बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा और आत्मविश्वास के लिए भी जरूरी मानते हैं। एक सर्वे के अनुसार 23 प्रतिशत युवाओं ने माना है कि वे अंग्रेजी ना बोल पाने को लेकर बहुत चिंतित रहते हैं। 25 प्रतिशत का कहना है कि उन्हें इससे थोड़ी चिंता होती है। 32 प्रतिशत कहते हैं कि उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे अंग्रेजी नहीं बोल पाते, जबकि 17 प्रतिशत ने बताया कि इस बात की चिंता तो होती है, लेकिन ज्यादा नहीं। इन सर्वेक्षणों में भारतीय युवाओं द्वारा जताई गई राय को देखें तो यह साफ है कि बड़ी संख्या में भारतीय युवा अंग्रेजी को अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण मानते हैं। यह सही है कि किसी के लिए भी हिंदी या उसकी कोई भी अन्य क्षेत्रीय मातृभाषा महत्वपूर्ण है, लेकिन सावधानी से विचार करना होगा कि क्या अंग्रेजी की अनदेखी की कीमत पर ऐसा होना चाहिए?

श्रावस्ती १० लाख की मूल्य नशीली गोलियां इलेक्ट्रिक स्कूटी व मोबाइल बरामद।

जिला संवाददाता श्रावस्ती रवि नन्दन शुक्ला की रिपोर्ट।

पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसियाद्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे प्रभावी नियंत्रण अभियानतथा मादक पदार्थों की तस्करी पर कठोर नियंत्रण के उद्देश्य से जारी निर्देशों के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक श्री मुकेश चन्द्र उत्तम एवं क्षेत्राधिकारी भिनगा श्री आलोक सिंह' के पर्यवेक्षण में थाना हरदत्त नगर गिरण्ट पुलिस टीम द्वारा उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की गई। थानाध्यक्ष श्री सौरभ सिंह' के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर सुजानडीह जंगल के पास से दो अन्तर्राज्यीय मादक दवा तस्कर' कृ 1. शिवपूजन वर्मा एवं 2. इमरान को गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से कुल 23400 NITRAZEPAM TABLETS I-P- 10 उह (NITCOR–10), कुल वजन 12,870 ग्राम, एक इलेक्ट्रिक स्कूटी (।ज्भ्।त् त्प्र्ज्।, बिना नंबर प्लेट) तथा दो मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिनकी कुल अनुमानित कीमत लगभग ध10 लाख आंकी गई है।

गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध थाना हरदत्त नगर गिरण्ट पर मु0अ0सं0 दृ 137ध2025, धारा 8/22 NDPS अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

पूछताछ में अभियुक्तगण ने बताया कि वे नशीली गोलियाँ विभिन्न माध्यमों से एकत्र कर मुंबई में नशा करने वालों को बेचने हेतु ले जा रहे थे, जिससे आर्थिक लाभ कमा सकें।

गिरफ्तार अभियुक्तगण का नाम व पतारू 1. शिवपूजन वर्मा पुत्र राम सूरत

निवासी दृ ग्राम भुलौरा मझौवा थाना नानपारा जनपद बहराइच

2. इमरान पुत्र गुलाम मोहम्मद

निवासी दृ ग्राम बिजलीपुर दा0 विशुनापुर थाना रुपईडिहा जनपद बहराइच

वर्तमान पता दृ ग्राम माधी गुरगुट्टा थाना कोतवाली नानपारा जनपद बहराइच

सुजानडीह जंगल के पास, वहद

1. कुल 23400 NITRAZEPAM TABLET ृ.ब. 10 उह (NITCOR&10) कृ कुल वजन 12,870 ग्राम

2. एक अदद इलेक्ट्रिक स्कूटी ATHER RIZTA (सफेद रंग, बिना नंबर प्लेट)

3. दो अदद मोबाइल फोन

कुल अनुमानित कीमत दृ ध10,00,000/– (दस लाख रुपये)

आपराधिक इतिहास अभियुक्तगणरू

1. शिवपूजन वर्मा पुत्र राम सूरत – मु0अ0सं0 131/2025, धारा 115(2), 352, 351(3) बीएनएस थाना कोतवाली नानपारा जनपद बहराइच

उतरौला बलरामपुर

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी सोशल मीडिया विभाग की चेयरपर्सन पंखुड़ी पाठक के द्वारा अंकुश कुमार पाण्डेय को बलरामपुर, अनय कुमार मिश्रा को उतरौ ला, मोहम्मद सादिक को गैसड़ी व मनीष कुमार श्रीवास्तव को तुलसीपुर विधानसभा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पुनः नियुक्त पर विधान सभा अध्यक्षों ने सोशल मीडिया चेयरपर्सन पंखुड़ी पाठक,प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सहित राष्ट्रीय, प्रदेश व जिला नेतृत्व का आभार व्यक्त किया है। नव नियुक्त विधानसभा अध्यक्षों को दिए गए दायित्वों का पूरी निष्ठा पूर्वक से पालन करने व कांग्रेस की विचारधारा को जन–जन तक पहुं चाने की बात कही। बलरापुर विधानसभा के सोशल मीडिया अध्यक्ष

अंकुश कुमार पाण्डेय ने कहा कि कांग्रेस का सोशल मीडिया जिले की जनता की सशक्त आवाज बनेगा।लगातार भ्रष्टाचार, अत्याचार और उत्पीड़न की घट नाएं सामने आ रहीं हैं। इसमें सोशल मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान है। सरकार और प्रशा सन जिन मुद्दों को दबाने–छिपाने में लगा है। वे जैसे ही कांग्रेस के सोशल मीडिया के सिपा हियों के संज्ञान में आए गा, उनका सत्यापन करने के बाद सोशल मीडिया के माध्यम से जिम्मेदारों को जगाने का काम करेंगे। टीम सोशल मीडिया के जरिए पार्टी की नीतियों एवं कार्यक्रमों से लगा तार अपडेट होती रहेगी। बूथ स्तर तक सक्रिय रहने वाली यह टीम चुनाव आने तक अपने साथ अन्य साथियों को जोड़कर पार्टी को मजबूती देगी। साथ ही साथ सत्तारूढ़ भाजपा के दुष्प्रचार का भी टीम जमकर मुकाब ला करेगी।

11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जनपद में मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत दद्दन मिश्रा, नोडल अधिकारीध्आयुक्त देवीपाटन मंडल गोंडा शशि भूषण लाल सुशील,जिलाध्यक्ष डॉ0 मिश्रीलाल वर्मा, जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी, पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया एवं मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद ने स्पोर्ट्स स्टेडियम भिनगा में दीप प्रज्वलित कर योगाभ्यास कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

सोशल मीडिया विभाग के बलरामपुर विधानसभा अध्यक्ष अंकुश पांडे

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने भरी हुंकार

बाराबंकी (संवाददाता)। महिला आंगनबाडी कर्मचारी संघ ने ई केवाईसी और चेहरा प्रमाणीकरण का विरोध करते हुए गन्ना कार्यालय परिसर में धरना दिया। धरना दे रहे कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों को लेकर हुंकार भरते हुए कहा कि हक के लिए चाहे जितना संघर्ष करना पड़े, पीछे हटने वाली नहीं हैं। धरने को संबोधित करते हुए संघ की जिलाध्यक्ष मनीषा कन्नौजिया ने कहा कि प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर यह धरना दिया गया है। कहा कि इस व्यवस्था को तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा, जब तक फाइव जी मोबाइल और रिचार्ज की सुविधा उपलब्ध नहीं करा दी जाती है। इस दौरान मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन बाल विकास परियोजना अधिकारी को सौंपा गया। इस मौके पर रीता त्रिपाठी, लक्ष्मी वर्मा, सरोजनी, क्रांति वर्मा, वेदांती, सुखरानी, रानी रावत कुलसुम वाहिद, सुधा देवी, पूनम, उर्मिला यादव व शीला मिश्रा आदि मौजूद रहीं।

घर से लेकर पार्कों तक लाखों लोग ने किया योग

बाराबंकी (संवाददाता)। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शनिवार सुबह ऑडिटोरियम से लेकर पार्क व जेल से लेकर खेल मैदान तक अधिकारी, कर्मचारी, आम व खास लोग योग करते नजर आए योग दिवस को लेकर शुक्रवार को दिनभर तैयारियां होती रहीं। शाम तक आमंत्रण पत्र बांटे जाते रहे। मुख्य आयोजन जीआईसी ऑडिटोरियम में होगा जहां प्रभारी मंत्री सुरेश राही कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। जिला मुख्यालय, तहसील, ब्लॉक, स्कूल, खेल मैदान, पार्क, कारागार व ग्राम पंचायतों समेत सार्वजनिक स्थानों पर सामूहिक रूप से योग किया जाएगा। इसके अलावा लोग घर की छत पर भी योग करेंगे। जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. अविनाश चंद्रा ने बताया कि शिविर में एमएलसी, सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष आदि को आमंत्रित किया गया है।

खेत में टुकड़ों में मिला लापता बच्ची का शव

सीतापुर (संवाददाता)। थानगांव के बजरंग गढ़ में चार दिन से लापता एक बच्ची का शव शनिवार को खेत में पड़ा मिला। उसके हाथ–सिर व अन्य अंग अलग–अलग पड़े मिले। ग्रामीणों ने उसके साथ अनहोनी की आशंका जताई है, हालांकि पुलिस मान रही है कि जंगली जानवर ने बच्ची को अपना निवाला बनाया है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अन्य बिंदुओं की जांच कर रही है। बजरंग गढ़ निवासी जिकरा (5) 17 जून को सुबह करीब 11 बजे गांव से अचानक लापता हो गई थी। देर शाम तक बच्ची का पता न चलने पर परिजनों ने पुलिस को जानकारी दी थी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी थी। गांव से करीब 200 मीटर दूर जगमोहन के गन्ने के खेत में ग्रामीणों ने कुछ हड्डियां पड़ी देखीं। अवशेषों में खोपड़ी, दोनों हाथ की हड्डियां, कॉलर बोन, निचला जबड़ा पाया गया। खेत में ही काले रंग की नेकर भी पाई गई। नेकर से परिजनों ने बच्ची की पहचान जिकरा के रूप में की। जानकारी पाते ही सीओ महमूदाबाद वेदप्रकाश श्रीवास्तव, थानाध्यक्ष अतुल शुक्ला और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई।

टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाते हुए ग्रामीणों के बयान भी दर्ज किए हैं। थानाध्यक्ष अतुल शुक्ला ने बताया कि शव अवशेषों को समेटकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जांच हो रही है। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी थी।

नाराज परिजनों ने शव रखकर किया प्रदर्शन

सीतापुर (संवाददाता)। रामपुर कलां में 18 दिन पहले दुर्घटना में घायल युवक की मौत के बाद शुक्रवार को परिजनों ने शव रखकर प्रदर्शन किया। बेहमा चौकी के पास प्रदर्शन करते हुए परिजनों ने पुलिस पर आरोपियों को छोड़ने व कार्रवाई न करने का आरोप लगाया। पड़ोसी थानाध्यक्षों के समझाने पर परिजन माने और दो घंटे बाद शव को सड़क से हटाया। ऊंचागांव निवासी गया प्रसाद (42) दो जून को अपने भांजे के साथ घर से सिधौली जा रहे थे। इस दौरान बेहमा–ऊंचागांव मार्ग पर पीएचसी के सामने तेज गति से आ रही वैन ने टक्कर मार दी।

दुर्घटना में वह घायल हो गए थे। गया प्रसाद का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा था, जहां शुक्रवार सुबह पांच बजे मौत हो गई। परिजनों ने रामपुर कलां पुलिस पर पैसे लेकर दुर्घटना को अंजाम देने वाली वैन को छोड़ने व एफआईआर दर्ज न करने का आरोप लगाते हुए बेहमा चौकी के पास चौराहे पर शव रखकर मार्ग जाम करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया।

लापता युवती की मिली लाश, चेहरे और शरीर पर मिले चोट के निशान
पुलिस कर रही मामले की जांच, घरवालों ने हत्या करके शव फेंकने की बात कही

सीतापुर (संवाददाता)। सीतापुर में लापता युवती की लाश खेत में पड़ी मिली। उसके चेहरे और शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। घरवालों ने हत्या करके शव फेंकने की बात कही। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। यूपी के सीतापुर में बीती रात से लापता युवती की लाश शनिवार की सुबह खेत में पड़ी मिली। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। खबर मिली तो घर में रोना–बिलखना शुरू हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। घटना रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र के धन्धार गांव की है। गांव निवासी सकटू की पुत्री सलीमुन (20) शुक्रवार रात करीब 9 बजे घर से लापता हो गई थी। काफी देर तक खोजबीन के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला। शनिवार की सुबह घर से करीब 70 मीटर दूर पप्पू के खेत में उसकी लाश मिली। पप्पू ने देखा तो गांव में इसकी जानकारी दी। खबर मिली तो मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। घरवालों का कहना है कि बेटी के शरीर और चेहरे पर चोट के निशान हैं। उन्होंने हत्या की आशंका जताई है। सूचना पर क्षेत्राधिकारी महमूदाबाद वेदप्रकाश श्रीवास्तव और प्रभारी निरीक्षक कृष्ण नंदन तिवारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटना की जानकारी ली।

मौका मुआयना करके साक्ष्य संकलित किए। सीओ वेद प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण पता चल सकेगा। वहीं कुछ ग्रामीणों से पूछताछ की जा रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। यूपी के सीतापुर में बीती रात से लापता युवती की लाश शनिवार की सुबह खेत में पड़ी मिली। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। खबर मिली तो घर में रोना–बिलखना शुरू हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। घटना रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र के धन्धार गांव की है। गांव निवासी सकटू की पुत्री सलीमुन (20) शुक्रवार रात करीब 9 बजे घर से लापता हो गई थी। काफी देर तक खोजबीन के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला। शनिवार की सुबह घर से करीब 70 मीटर दूर पप्पू के खेत में उसकी लाश मिली। पप्पू ने देखा तो गांव में इसकी जानकारी दी। खबर मिली तो मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। घरवालों का कहना है कि बेटी के शरीर और चेहरे पर चोट के निशान हैं। उन्होंने हत्या की आशंका जताई है।

निर्माणाधीन सुठेना अंडरपास की मिट्टी ढहने से मजदूर की मौत
डेढ़ घंटे बाद निकला हरी कुमार का शव, पोकलैंड के पंजे से कट गया बायां हाथ

हरदोई (संवाददाता)। लखनऊ–दिल्ली रेल मार्ग पर सुठेना में निर्माणाधीन अंडरपास के लिए खोदाई के दौरान मिट्टी ढह गई। इससे यहां काम कर रहे पांच मजदूर मिट्टी के नीचे दब गए। चीख–पुकार सुनकर पहुंचे साथी मजदूरों ने चार लोगों को बाहर निकाल लिया, लेकिन पांचवां मजदूर नहीं मिला। इसकी तलाश में पोकलैंड मशीन लगाई गई। इस दौरान उसका का शव भी मिल गया। औरैया जनपद के दिबियापुर थाना क्षेत्र के रोहली निवासी हरी कुमार (55) मजदूरी करते थे। वह पिछले कई माह से सुठेना में निर्माणाधीन अंडरपास में काम कर रहे थे। शुक्रवार की दोपहर लगभग 12 रू30 बजे यहां पोकलैंड मशीन से गड्ढे की खोदाई हुई थी। इसके बाद मजदूर यहीं काम कर रहे थे। इसी बीच मिट्टी ढह गई। इसके नीचे हरी कुमार के साथ ही सुठेना निवासी सरन (25), सोनू (23), दिव्यांशू (27) और पिंटू (25) भी दब गए। शोर सुनकर आसपास काम कर रहे मजदूर भी मौके पर पहुंच गए। मिट्टी हटाकर सरन, सोनू, दिव्यांशू और पिंटू को बाहर निकाला गया। मौके पर ही डॉक्टर बुलाकर इनका प्राथमिक उपचार कराया गया। चारों की हालत खतरे से बाहर है। इस सबके बीच पोकलैंड की मदद से मिट्टी हटाई गई, तो हरी कुमार का शव मिला। शव मिलने की सूचना पर कछौना कोतवाल छोटेलाल मौके पर पहुंचे और जानकारी ली। उन्होंने बताया कि रेलवे के अधिकारियों को भी सूचना दी गई है, लेकिन देर शाम तक रेलवे के कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे। औरैया निवासी हरी कुमार मिट्टी के ढेर के नीचे काफी गहराई में दब गए थे। पहले तो मजदूर मिट्टी हटाकर उनकी तलाश करते रहे, लेकिन कोई आहट न मिलने पर पोकलैंड मशीन की मदद ली गई। इसी बीच हरी कुमार का शव निकला।

पोकलैंड मशीन के पंजे से शव का बायां हाथ भी कट गया था। इससे यहां काम कर रहे पांच मजदूर मिट्टी के नीचे दब गए। चीख–पुकार सुनकर पहुंचे साथी मजदूरों ने चार लोगों को बाहर निकाल लिया, लेकिन पांचवां मजदूर नहीं मिला। इसकी तलाश में पोकलैंड मशीन लगाई गई। इस दौरान उसका का शव भी मिल गया। औरैया जनपद के दिबियापुर थाना क्षेत्र के रोहली निवासी हरी कुमार (55) मजदूरी करते थे। वह पिछले कई माह से सुठेना में निर्माणाधीन अंडरपास में काम कर रहे थे। शुक्रवार की दोपहर लगभग 12 रू30 बजे यहां पोकलैंड मशीन से गड्ढे की खोदाई हुई थी। इसके बाद मजदूर यहीं काम कर रहे थे।

फार्मेसी की पढ़ाई करने वाले कर रहे ग्रामीणों का इलाज

हरदोई (संवाददाता)। ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने का दावा हो रहा है, लेकिन हकीकत कुछ अलग है। अभी तक ग्रामीण इलाकों में बिना पंजीकरण के झोलाछाप अस्पताल संचालित करते नजर आ रहे थे, लेकिन अब तो एक नया तरीका शुरू हो गया है। डी–फार्मा या बी–फार्मा की पढ़ाई करने वाले छात्र भी ग्रामीण इलाकों में अस्पताल और क्लीनिक संचालित करने लगे हैं। शनिवार को अहिरोरी के सीएचसी अधीक्षक डॉ. राजीव रंजन ने ऐसे ही दो स्थानों पर छापा डाला। बाद में दोनों को सील कर दिया गया। करीमनगर मार्ग पर प्रज्ञा हॉस्पिटल है।

अहिरोरी के सीएचसी अधीक्षक डॉ. राजीव रंजन ने शुक्रवार को यहां छापा डाला। इस दौरान यहां अशोक नाम का व्यक्ति इंजेक्शन लगवाने आया था। मौके पर मौजूद मिले कथित अस्पताल संचालक आजाद ने पूछताछ के दौरान बताया कि अस्पताल निर्माणाधीन है और मरीजों का इलाज नहीं किया जाता है।

सवारियों से भरी प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर पलटी, छह घायल

हरदोई (संवाददाता)। निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेसवे के हरदोई मार्ग पर स्थित अंडरपास के निकट सवारियों से भरी प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना में बस सवार छह यात्री घायल हो गए। घटना के समय बस में 20 यात्री सवार थे। हरदोई से बिलग्राम होकर उन्नाव के लिए जाने वाली प्राइवेट बस शुक्रवार शाम हरदोई से उन्नाव जा रही थी। हरदोई रोड पर स्थित गंगा एक्सप्रेस–वे के अंडरपास के निकट बस अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना में बिलग्राम नगर के मोहल्ला रफैयतगंज निवासी महजबी (35) और उसकी पुत्री कुलसुम (7), गुरौली निवासी राम किशोर और उनकी पत्नी रामश्री, सुल्हाड़ा निवासी राधेश्याम (31) और हरदोई के चंदीपुरवा निवासी मंजू सिंह (45) घायल हो गईं। घटना की जानकारी पर तहसीलदार अमित कुमार, कोतवाल अरविंद रॉय मौके पर पहुंच गए। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद चालक मौके से भाग गया। घटना के समय बस में 20 यात्री सवार थे। हरदोई से बिलग्राम होकर उन्नाव के लिए जाने वाली प्राइवेट बस शुक्रवार शाम हरदोई से उन्नाव जा रही थी। हरदोई रोड पर स्थित गंगा एक्सप्रेस–वे के अंडरपास के निकट बस अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना में बिलग्राम नगर के मोहल्ला रफैयतगंज निवासी महजबी (35) और उसकी पुत्री कुलसुम (7), गुरौली निवासी राम किशोर और उनकी पत्नी रामश्री।

तीन स्पर के लिए 10.73 करोड़ रुपये मिले

बाराबंकी (संवाददाता)। सरयू नदी की बाढ़ से प्रभावित इलाकों में तैयारियों ने रफ्तार पकड़ ली है। कहीं कटान रोकने के लिए परियोजनाएं चल रही हैं तो कहीं ड्रेजिंग का काम जारी है। इसी क्रम में चहलारीघाट–गणेशपुर तटबंध को मजबूत करने और कटान रोकने के लिए तीन स्परों के निर्माण वास्ते शासन ने 10.73 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। आधिकारिक आदेश के अनुसार सरयू नदी के दाहिने तट पर स्थित चहलारी घाट गणेशपुर तटबंध के किमी संख्या 42.700, 43.200 व 43.760 के हिस्से पर तीन स्पर बनाए जा रहे हैं। इस परियोजना का उद्देश्य तटबंध को मजबूती देना और बाढ़ के दौरान नदी की धारा को नियंत्रित करना है ताकि कटान से आसपास के गांवों को सुरक्षा मिल सके।

तटवर्ती गांवों की ओर बढ़ी सरयू की धारा

बाराबंकी (संवाददाता)। बारिश के साथ ही सरयू नदी का जलस्तर बढ़ने लगा है। पानी बढ़ने से नदी की धारा ड्रेजिंग के बावजूद इस बार भी तटवर्ती गांवों की ओर रुख कर चुकी है। इससे ग्रामीण परेशान हैं। सिरौलीगौसपुर तहसील क्षेत्र में ड्रेजिंग का काम सिरौलीगुंग से टेपरा तक तीन किलोमीटर की परिधि में चल रहा है। करीब आधा किलोमीटर का काम अभी बाकी है। इस परिधि में सिरौलीगुंग के अलावा मनीराम पुरवा, कहारनपुरवा, सनावां, भौरीकोल, सराय सुर्जन व बघौली पुरवा गांव आते हैं। ये सभी गांव कटान के मुहाने पर हैं। ड्रेजिंग के बावजूद पिछले साल इन गांवों की सैकड़ों बीघा जमीन सरयू निगल गई थी।

ट्रांसफार्मर खराब, 50 घरों की बिजली गुल

सीतापुर (संवाददाता)। दो दिन से ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण गांव के करीब 50 घरों की बिजली गुल है। गर्मी से सैकड़ों लोग बेहाल हैं। महमूदाबाद के विद्युत उपखंड देवरिया के जाफरपुर कलां गांव में रखा 25 केवीए का ट्रांसफार्मर पिछले दो दिनों से खराब है। इस वजह से करीब 50 से अधिक उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति नहीं मिल पा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रांसफार्मर पर क्षमता से अधिक भार होने के कारण आए दिन लोगों को बिजली कटौती झेलनी पड़ रही है। दो दिन से ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण 50 से अधिक घरों की बिजली गुल हो गई है।

गोरखपुर पहुंची वंदे भारत : यात्रियों का हुआ स्वागत, लोगों ने खूब ली सेल्फी

गोरखपुर (संवाददाता)। पाटलिपुत्र–गोरखपुर वंदे भारत ट्रेन शुक्रवार की रात 9रू28 बजे गोरखपुर रेलवे स्टेशन पहुंची। स्टेशन पहुंचने के बाद ट्रेन के लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर के साथ ही यात्रियों को माला पहनाकर और पुष्प देकर जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान केसरिया रंग के वंदे भारत को लेकर लोगों में गजब का उत्साह देखने को मिला। लोगों ने ट्रेन के साथ सेल्फी लेकर इस यात्रा को यादगार बनाया। ट्रेन से आए यात्रियों ने कहा कि वंदे भारत में सफर करके मजा आ गया। पाटलिपुत्र–गोरखपुर श्वंदे भारतश्व के आगमन पर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर दो पर स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। निर्धारित समय से दो मिनट पहले 9रू28 बजे जैसे ही वंदे भारत का आगमन रेलवे स्टेशन पर हुआ, पूरा स्टेशन ढोल–नगाड़ों की आवाज से गूंज उठा। कैबिनेट मंत्री संजय निषाद के साथ ही मेयर और एमएलसी ने इंजन से बाहर निकलते ही लोको पायलट राजीव रंजन, सहायक लोको पायलट अरुण कुमार और ट्रेन मैनेजर अजय कुमार के साथ ही ट्रेन के अन्य स्टाफ का माल्यार्पण कर स्वागत किया। ट्रेन में यात्रा करके पहुंचे यात्रियों के साथ ही स्टेशन पर मौजूद लोग उत्साहित दिखे। कुछ लोग ट्रेन के इंजन की तरफ पहुंचे और सेल्फी ली। ट्रेन से आए लोगों ने कहा कि वंदे भारत में बैठने का अनुभव बहुत ही अच्छा रहा। कप्तानगंज रेलवे स्टेशन से वंदे भारत में सवार होकर पहुंचे एनई रेलवे सीनियर सेकंडरी स्कूल के बच्चे जब रेलवे स्टेशन पर उतरे तो काफी उत्साहित नजर आए। युवाओं का एक समूह उत्साह में ढोल–नगाड़े की धुन पर नाचने लगा।

दूसरी बेटी पैदा होने पर पत्नी को पीटा, ससुर का सिर फोड़ा

गोरखपुर (संवाददाता)। अगस्त 2023 में पिपराइच थाना क्षेत्र के अगवा गांव में एक व्यक्ति ने बेटे की चाहत में पहली पत्नी के रहने के बावजूद दूसरी शादी कर ली। पहली पत्नी मनीता देवी की शादी रतनपुर के रहने वाले सिकंदर शर्मा से हुई थी। शादी के बाद दो बेटियां हुईं। मनीता ने आरोप लगाया था कि ससुराल वाले बेटे की चाहत में उसे प्रताड़ित करते हैं।

बीआरडी मेडिकल कॉलेज में दूसरी बेटी के जन्म लेने पर एक युवक ने पत्नी को पीट दिया। शुक्रवार की सुबह पत्नी के मायके वाले बेटी से मिलने पहुंचे तो उनसे भी कहासुनी हो गई। इसके बाद लड़का और लड़की पक्ष आपस में भिड़ गए। इससे वॉर्ड के बाहर अफरा–तफरी मच गई।

आरोपी युवक ने सास को पीटा, जबकि मारपीट में ससुर का सिर फट गया। मारपीट में दोनों पक्षों को चोट लगी है। दोनों पक्ष फरियाद लेकर मेडिकल कॉलेज पुलिस चौकी पहुंचे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे : पूर्वांचल को रफ्तार के साथ-साथ रोजगार की भी मिलेगी सौगात- बना निवेश का माहौल

गोरखपुर (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लिंक एक्सप्रेस–वे बनने से गोरखपुर के दक्षिणी हिस्से समेत चार जिलों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। साथ ही गोरखपुर मंडल के अन्य जिलों को इसका अप्रत्यक्ष लाभ होगा। एक्सप्रेस–वे के किनारे विकसित हो रहे औद्योगिक कलस्टर में फैक्टरियां लगेंगी तो यहां के नौजवानों को दूसरे प्रदेश और दूसरे देश जाकर नौकरी नहीं खोजनी पड़ेगी। भगवानपुर टोल प्लाजा पर लिंक एक्सप्रेस–वे के उद्घाटन के बाद समारोह में सीएम योगी ने कहा कि एक्सप्रेस–वे सरकार की सकारात्मक सोच का परिणाम है। क्या कोई सोचता था कि बेलघाट, खजनी, सिकरीगंज जैसे क्षेत्र भी एक्सप्रेस–वे से जुड़ पाएंगे। आज यह सोच आज साकार हुई है। 100 वर्ष पूर्व गोरखपुर जिले के दक्षिणांचल बांसगांव, गोला, बड़हलगंज आदि क्षेत्र से हजारों लोगों ने रोजगार के लिए थाईलैंड समेत दूसरे देशों में जाकर काम किया। एक्सप्रेस–वे बनने के बाद ऐसा नहीं होगा। अब इसी इलाके में उद्योग लगेंगे, जिसमें स्थानीय लोगों को नौकरी व रोजगार का अवसर मिलेगा। लिंक एक्सप्रेस–वे बनते ही औद्योगिक गलियारा में फैक्टरी के लिए निवेश प्रस्ताव मिलने लगे हैं। इस एक्सप्रेस–वे के किनारे आंबेडकरनगर और आजमगढ़ में हजारों एकड़ जमीन आरक्षित की गई है। धुरियापार में नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो रहा है।

इसका फायदा पूरे पूर्वांचल को मिलेगा। इतना नहीं, कोई इमरजेंसी या जरूरत होने पर गोरखपुर से तीन घंटे में ही लखनऊ पहुंच जाएंगे। देवरिया, कुशीनगर और महराजगंज के लोगों के लिए इस एक्सप्रेस–वे से होकर दिल्ली– लखनऊ की राह आसान हो जाएगी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में विकास की बात तो दूर, यहां बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव था। गरीब कल्याण की योजनाओं का लाभ पात्रों को नहीं मिलता था। परंपरागत उद्योग बंदी के कगार पर थे। एक जिला एक माफिया के चलते विकास की योजनाओं में बंदरबांट होता था। वे आपस में भी लड़ते थे। 2017 के बाद का उत्तर प्रदेश माफियामुक्त, गुंडामुक्त और दंगामुक्त राज्य बन चुका है। अब यह देश में पर्यटन और निवेश का बेहतरीन डेस्टिनेशन बन गया है। 2017 के पहले यूपी में यह पता ही नहीं चलता था कि सड़क में गड्ढा है या गड्ढे में सड़क, पर अब यह प्रदेश एक्सप्रेसवे के नए संजाल से अर्थव्यवस्था को रफ्तार दे रहा है। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में युवाओं के सामने अब पहचान का संकट नहीं है। पांच दिन पूर्व गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में 60 हजार से अधिक युवाओं को पुलिस में नियुक्ति का पत्र दिया गया।

11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिले में धूमधाम से सम्पन्न हुआ योगाभ्यास कार्यक्रम

स्पोर्ट्स स्टेडियम भिनगा में मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत, मा0 जिलाध्यक्ष, मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं मुख्य विकास अधिकारी की उपस्थिति में योगाभ्यास हुआ सम्पन्न

मा0 विधायक ने अपने आवास एवं जागतजीत इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में किया योगाभ्यास

योग भारतवर्ष की संस्कृति और सभ्यता का हिस्सा–मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत

योग हमारे दैनिक जीवन का है अभिन्न अंग–मा0 जिलाध्यक्ष

योग भारत की प्राचीन परम्परा का एक अमूल्य उपहार–आयुक्त

दिमाग और शरीर की एकता को बनाये रखता है योग – जिलाधिकारी

श्रावस्ती, 21 जून, 2025। सू0वि0। ''11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस'' जिसका विषय ''एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग'' रखा गया है, के अवसर पर जनपद में धूमधाम से योग दिवस मनाया गया। जिसके तहत जिले के स्पोर्ट्स स्टेडियम भिनगा में योगाभ्यास कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि माननीय अध्यक्ष जिला पंचायत दद्दन मिश्रा, मा0 जिलाध्यक्ष डॉ0 मिश्रीलाल वर्मा, देवीपाटन मण्डल के आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील, जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी, पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया, मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद एवं अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) अमरेन्द्र कुमार वर्मा ने द्वीप प्रज्वलित कर एवं भगवान धनुवंतरि जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। तत्पश्चात् योगाभ्यास कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया। इस दौरान राज भवन लखनऊ से माननीय राज्यपाल महोदया श्रीमती आनंदीबेन पटेल एवं मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की उपस्थिति में आयोजित योगाभ्यास कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया।

स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्राचीन काल से ही योग भारतवर्ष की संस्कृति और सभ्यता का हिस्सा रहा है। जिसे हम लोग भूल चुके हैं जो चिन्ता का विषय है, अगर सभी जनपदवासी योग को अपना लें तो दवाओं पर व्यय होने वाले रूपये को रोका जा सकता है तथा स्वस्थ्य समाज के निर्माण की परिकल्पना को पूरा किया जा सकता है। इसके लिए जन–जन को योगाभ्यास के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए ताकि वे सब नियमित रूप प्रतिदिन एक घण्टा योगा करके शरीर को स्वस्थ सक्रिय एवं निरोग रख सकें, ताकि स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके।

मा0 जिलाध्यक्ष ने कहा कि योग हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग है। यदि हम सभी सुबह उठकर सिर्फ एक घण्टा योग कर ले तो निश्चित ही शरीर की अनेक बीमारियों से बचे रहेंगे। उन्होने कहा कि हम सब आभारी हैं मा0 प्रधानमंत्री जी एवं मा0 मुख्यमंत्री जी के जिन्होंने भारत की ऋषि परंपरा के इस उपहार को न केवल भारत के अंदर बल्कि दुनिया के अंदर पहुंचाया है।

कार्यक्रम में आयुक्त ने कहा कि योग भारत की प्राचीन परम्परा का एक अमूल्य उपहार है। नियमित योग करने से हमारा शरीर स्वस्थ रहता है। जिससे अनेकों बीमारियों से बचाव होता है। योग करने से हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती हैं। साथ ही यह दिमाग और शरीर की एकाग्रता को भी बनाये रखता है। योग मनुष्य और प्रकृति के बीच सामंजस्य भी है। योग एवं व्यायाम विचार, संयम और स्फूर्ति प्रदान करने वाला है तथा अनेकों स्वास्थ्य लाभ के साथ ही एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है।

जिलाधिकारी ने कहा कि योग करने से हमारे शरीर को विभिन्न बीमारियों से बचाया जा सकता है। साथ ही यह दिमाग और शरीर की एकता को भी बनाये रखता है। उन्होंने यह भी बताया है कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार ''11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस'' के अवसर पर जिले के समस्त योग वेलनेस सेंटर, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, आयुष हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स एवं अन्य चिकित्सालयों में योगाभ्यास के कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसमे माननीय जनप्रतिनिधियों एवं आम जनमानस द्वारा प्रतिभाग किया गया।

योगाभ्यास कार्यक्रम में योग वेलनेस सेंटर के योग प्रशिक्षक अरूण कुमार एवं योग सहायकों द्वारा योग प्रशिक्षण को सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को प्रतिदिन योग करने एवं नशा मुक्ति हेतु शपथ दिलायी गयी।

इसके अतिरिक्त जनपद के अन्य सभी ब्लाक मुख्यालयों, तहसील मुख्यालयों, नगर निकाय, स्वास्थ्य विभाग, वन विभाग, पुलिस विभाग, योग वेलनेस सेंटर, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, आयुष हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर्स एवं अन्य चिकित्सालयों में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी धनराज मीणा, प्रभारी चिकित्साधिकारी आयुष डा0 राम कृपाल, योग प्रशिक्षक अरुण कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीध कर्मचारी एवं भारी जनसमूह उपस्थित रहा।

इसी क्रम में मा0 विधायक श्रावस्ती रामफेरन पाण्डेय ने इकौना स्थित अपने आवास एवं जगतजीत इंटर कॉलेज में भगवान धनुवंतरि जी के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं द्वीप प्रज्वलित कर योगाभ्यास किया।

पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विशाल कुमार पाण्डेय ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में सभी जन समस्याओं को सूनी।

उतरौला बलरामपुर

तहसील उतरौला में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में अपर पुलिस अधीक्षक विशाल कुमार पाण्डेय ने सभी जन समस्याओं को सुनीं और उनको जल्द से जल्द व निष्पक्ष निस्ता रण के लिए सभी सम्बन्धित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया।

इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने पुलिस, राजस्व,भूमि विवाद, अतिक्रमण पारिवारिक झगड़े पेयजल संकट, बिजली की समस्या, और अन्य स्थानीय मुद्दों से जुड़ी शिकायतेंप्रस्तुत कीं। अपर पुलिस अधी क्षक ने शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुए मौके पर ही टीम बना कर जांच कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विशाल कुमार पाण्डेय ने कहा कि जनता की समस्याओं का समय बद्ध और निष्पक्ष समा धान प्रशासन की प्राथ मिकता है। शिकायतों की अनदेखी किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी राजस्व व पुलिसविभाग केअधिकारियों–कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्ता रण समय सीमा के अन्दर ही करें। जिन शिकायतों का निस्तारण उच्चाधिकारी स्तर से होना आवश्यक है,उन्हें सम्बंधित अधिकारियों को त्वरित रिपोर्ट सहित अग्रसारित करें, ताकि समय रहते समाधान हो सके।समाधान दिवस के दौरान अधिकारियों की उपस्थिति में दर्जनों मामलों पर तत्काल कार्यवाही शुरू कर दी गई है।शिकायतकर्ताओं ने समाधान दिवस के आयोजन को प्रशास निक पारदर्शिता और जनता से संवाद का अच्छा माध्यम बताया।

सम्पूर्ण समाधान दिवस का उद्देश्य आम नागरि कों की समस्याओं को सीधे प्रशासनिक अधि कारियों के सामनेप्रस्तुत कर त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर कई विभागों के अधिकारी पुलिस कर्मी,राजस्व निरीक्षक, लेखपाल, कानूनगो और ग्राम सचिव भी मौजूद रहे।यह समाधान दिवस न केवल प्रशास निक सक्रियता का प्रतीक है, बल्कि जनता में विश्वास निर्माण की दिशा में भी एक सार्थक प्रयास सिद्ध हो रहा है।

समाजसेवियों ने सूखे तालाब में पानी भरवा कर पशु पक्षियों को राहत दिलाई।

उतरौला बलरामपुर भीषण गर्मी के चलते क्षेत्र में पशु पक्षियों की प्यास की शिद्दत को देखते हुए उतरौला के समाज सेवियों ने सूखे तालाब में अपने निजी खर्चे से पानी भरवाकर एक अनूठी मिसाल पैदा की है। समाजसेवी रिज वान सिद्दीकी पिंटू,एजा ज मलिक शकील इदरी सी, इकबाल सिद्दीकी, युसूफ इकबाल ने अपने निजी खर्चे से उतरौला से सटे अल्लाह नगर फगुइया मार्ग पर स्थित सूखे पड़े लम्बुइया में स्थित तालाब में पानी भरवाया है। समाज सेवियों की पहल से जीव–जंतुओ को गर्मी से राहत मिली हैसमाज सेवियों ने बताया कि इस भीषण गर्मी में पशु पक्षी पानी की तलाश में इधर–उधर भटकते थे। प्यास से व्याकुल होकर कई पशु पक्षी तड़प– तड़प कर अपना दम तोड़ दिया है। इस स्थिति को देखते हुए इन समाज सेवियों ने यह सराहनीय पहल की।कि जिन लोगों ने भी इस सराहनीय कार्य को देखा व सुना उन सभी ने इस नेक कार्य के लिए समाज सेवियों का आभार व्यक्त किया है। स्थानीय लोगों का कह ना है कि यह लोग हमे शा गरीब और जरूरत मंद लोगों की मदद के लिए तत्पर रहते हैं। और साथ ही पशु पक्षि यों का भी ख्याल रखते हैं। सूखे लम्बुइया में स्थित तालाब कोसमाज सेवियों ने पानी भरवा कर पशु पक्षियों व तालाब को नया जीवन दिया है। लम्बे समय से सूखा पड़ा यह तालाब अब जल से भर गया है। गर्मी के मौसम में पानी की तलाश में भटक रहे पशु–पक्षियों को इससे बड़ी राहत मिली है। तेज धूप और भीषण गर्मी में यह तालाब उनके लिए वर दान साबित हो रहा है। इस पहल को क्षेत्र में सराहना हो रही है। स्थानीय लोग इनसमाज सेवियों को पशु पक्षियों का मसीहा कह रहे हैं। यह कार्य न केवल पशु–पक्षियों के लिए लाभ दायक है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का भी अच्छा उदाहरण है।

जिलाधिकारी ने की सीएम डैशबोर्ड पर राजस्व कार्यों की समीक्षा

लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति कम पाये जाने पर सहायक आयुक्त राज्यकर एवं खनन निरीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी

खराब प्रगति वाले विभागाध्यक्षों को प्रगति लाने का दिया निर्देश

श्रावस्ती, 21 जून, 2025। सू0वि0। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व विभाग से संबंधित सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से जिले में चल रही योजनाओं की समीक्षा की गई। उन्होंने विभागवार योजनाओं की स्थिति की जानकारी लेते हुए उद्योग विभाग, आबकारी विभाग, खनन विभाग, खाद्य सुरक्षा विभाग, खाद्य एवं रसद विभाग, परिवहन, मण्डी विभाग, राजस्व विभाग आदि विभागों की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान वाणिज्यकर (जी0एस0टी0) विभाग की प्रगति लक्ष्य के अनुरूप बहुत कम पायी गई, जिस पर जिलाधिकारी ने सहायक आयुक्त राज्यकर को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। खनन विभाग की समीक्षा के दौरान प्रगति कम पाये जाने पर जिलाधिकारी ने खान निरीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए निर्देशित किया कि खनन की प्रतिदिन जांच करें तथा औचक निरीक्षण करते हुए कार्यवाही में तेजी लाएं। इसके अलावा विद्युत विभाग की प्रगति भी सन्तोषजनक नहीं पायी गई, जिस पर अधिशासी अभियंता विद्युत को लक्ष्य के सापेक्ष वसूली कर प्रगति लाने का निर्देश दिया। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि डिजिशक्ति योजना के तहत टैबलेटध्स्मार्टफोन वितरण की कार्यवाही शत–प्रतिशत पूर्ण कर ली जाए। उन्होंने कहा कि धारा–34 (नामांतरण) के अन्तर्गत 45 दिन से ऊपर के मामलों को जल्द से जल्द निस्तारित करते हुए तेजी लाएं, सभी मामलों को 25 जून से पूर्व अवश्य निस्तारित कर दिया जाए। इसके अलावा धारा–116 एवं धारा–24 के वादों को समय–सीमा के अन्तर्गत निस्तारित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जिले के बड़े बकायदारों से वसूली हेतु जो आर0सी0 जारी हुई है, उसमें समय–समय पर समीक्षा भी करते रहें, ताकि वसूली बढ़ सके। राजस्व वसूली में तेजी हेतु हवालात बन्दी एवं नीलामी की कार्यवाही की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि आय, जाति व निवास प्रमाण पत्रों में आवेदन लम्बित न रखे जाएं। डीएम ने इस दौरान भूमि पट्टा आवेदन, किसान दुर्घटना बीमा, स्वामित्व योजना, खतौनी पुनरीक्षण आदि की भी समीक्षा की और सम्बन्धित अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने हेतु निर्देशित किया।

उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों से सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित हो रहे कार्यों की प्रगति रैंकिंग के संबंध में समीक्षा भी की। समीक्षा के दौरान सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी अधिकारी अपने–अपने विभागों की सीएम डैशबोर्ड से संबंधित कार्यों योजनाओं की लगातार समीक्षा करते रहें, ताकि सीएम डैशबोर्ड पर विभाग की रैंकिंग खराब न होने पाए, इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा, उपजिलाधिकारी पीयूष जायसवाल, उपजिलाधिकारी संजय कुमार, समस्त तहसीलदारगण, ई–डिस्ट्रिक्ट मैनेजर शरद श्रीवास्तव, नाजिर चन्द्रमौली श्रीवास्तव सहित सभी संबंधित विभाग के जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एसएयू में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारो हुआ सम्पन्न

एसएयू के अध्यक्ष प्रोफेसर के.के. अग्रवाल ने दिए योग से निरोग रहने के टिप्स

दक्षिण एशिया में एसएयू बनेगा योग का विस्तार केंद्र– प्रोफेसर के.के. अग्रवाल

नई दिल्ली, 21 जून 2025

21 जून को भारत सहित दुनियाभर में बड़े उत्साह के साथ 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इसी क्रम में सार्क देशों द्वारा नई दिल्ली में स्थापित साउथ एशियन यूनिवर्सिटी में एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योगथीम के साथ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया । साउथ एशियन यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष प्रोफेसर केके अग्रवाल एवं वरिष्ठ शिक्षाविद् प्रोफेसर सरोज अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में भारत सहित सार्क के सदस्य देशों के संकाय, कर्मचारी व छात्र–छात्राओं ने योगाभ्यास किया।

कार्यक्रम के दौरान एसएयू के अध्यक्ष प्रोफेसर केके अग्रवाल ने योग से निरोग रहने के टिप्स बताते हुए कहा कि योग सिर्फ शारीरिक व्यायाम नहीं है बल्कि यह आत्म–जागरूकता के साथ आध्यात्मिक सोच को बढ़ावा देता है। प्रोफेसर अग्रवाल ने कहा कि दक्षिण एशिया में योग को बढ़ावा देना जरूरी है। इसके लिए एसएयू बड़ा माध्यम बनेगा। इस दौरान प्रोफेसर सरोज अग्रवाल ने कहा कि योग महिलाओं के लिए प्राचीन अभ्यास है जो शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है।

कार्यक्रम में मौजूद कुल सचिव डॉ. रविन्द्र कुमार सोनी ने ने कहा कि योग हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बने इसके लिए एसएयू कैंपस में संकाय, कर्मचारी और छात्र–छात्राओं के लिए नियमित योग कक्षाओं की व्यवस्था की गयी है जो एक अच्छी पहल है।

योग के इस अनूठे समागम में बाल कलाकारों ने योग विधा की शानदार प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। एसएयू के अध्यक्ष प्रोफेसर केके अग्रवाल, प्रोफेसर सरोज अग्रवाल और उपाध्यक्ष प्रोफेसर संजय चतुर्वेदी और डॉ. रविन्द्र कुमार सोनी ने इन मेधावी बाल योगी कलाकारों को पुरस्कार देकर साम्मानित किया।

योग के इस कार्यक्रम में एसएयू के शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक कर्मचारी, उनके परिवार और बडी संख्या में छात्र व छाआओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान प्रोफेसर अंबरीष सक्सेना ने जहां मंच संचालन किया वहीं समापन कार्यक्रम में एसएयू के कार्यवाहक वित्त निदेशक राकेश मोहन व अधीक्षण अभियंता एमपी केडियाल ने सभी

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग आरोग्य केंद्र द्वारा भव्य योग एवं सांस्कृतिक समारोह का आयोजन

वाराणसी राजेश सेठ

स्थानरू योग आरोग्य केंद्र, कली मंदिर के पास, पांडेयपुर, वाराणसी

तिथिरू 21 जून 2025

समयरू प्रातः 7रू00 बजे से

आज 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग आरोग्य केंद्र द्वारा एक विशाल योग एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में क्षेत्र के सैकड़ों योग प्रेमियों, विद्यार्थियों, गणमान्य नागरिकों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य जनमानस में योग के प्रति जागरूकता फैलाना, स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहन देना एवं भारत की इस प्राचीन परंपरा को पुनः जीवंत बनाना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत और अतिथियों का स्वागत

प्रातः 8रू00 बजे कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और गायत्री मंत्र के उच्चारण के साथ हुआ। इसके पश्चात सामूहिक योगाभ्यास का संचालन हुआ, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने ताड़ासन, त्रिकोणासन, वृक्षासन, भुजंगासन, प्राणायाम आदि योग मुद्राओं एवं तकनीकों का अभ्यास किया। योग प्रशिक्षकों ने सभी योग क्रियाओं का शारीरिक एवं मानसिक लाभों सहित मार्गदर्शन किया।

मुख्य अतिथि माननीय पृथ्वी पाल सिंह (भूतपूर्व निदेशक पावर कॉरपोरेशन उत्तर प्रदेश) जी ने योग के सामाजिक एवं वैश्विक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, "योग मात्र व्यायाम नहीं, बल्कि यह एक संपूर्ण जीवनशैली है, जो तन, मन और आत्मा को संतुलित करती है।"

विशिष्ट अतिथि श्री राजीव वर्मा (प्रदेश प्रभारी स्वर्णकार समाज) ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा, "आज की तेज रफ्तार और तनावपूर्ण जिंदगी में योग ही वह साधन है जो व्यक्ति को मानसिक शांति और शारीरिक बल प्रदान करता है।"

कार्यक्रम की अध्यक्षता योग आरोग्य केंद्र के अध्यक्ष डॉ. राजेश रंजन ने की। उन्होंने कहा, "हमारा केंद्र वर्षों से योग, प्राकृतिक चिकित्सा, और आयुर्वेद के माध्यम से जनकल्याण का कार्य कर रहा है, और यह आयोजन उसी सेवा भाव का विस्तार है।"

विशिष्ट सहभागिता और उपस्थिति

इस अवसर पर अनेक विशिष्ट व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें माया शर्मा, मुदित शर्मा, संगीता सिंह, प्रिया वर्मा, रचना, सौरभ, साक्ष कुमार, पार्णिका, डॉ. आलोक और सत्यम प्रमुख रहे तथा वदसपदम माध्यम से पूनम सिंह प्रशांत वर्मा आदि सभी ने अपने–अपने विचार

कार्यक्रम का समापन शांतिपाठ, ओम् ध्वनि तथा सामूहिक ध्यान के साथ हुआ। भव

आयुक्त ने इंडो-नेपाल सुईया बार्डर का किया निरीक्षण

सीमा सुरक्षा संबंधी गतिविधियों को बढ़ाने का दिया निर्देश

श्रावस्ती, 21 जून, 2025। सू0वि0। देवीपाटन मण्डल के आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने इंडो–नेपाल सुईया बार्डर पहुँचकर सीमावर्ती गॉवों के आसपास जाकर निरीक्षण कर सुरक्षा का जायजा लिया तथा निरन्तर निगरानी रखने हेतु सुरक्षा बलों को निर्देश दिया। उन्होने सीमा स्तम्भों का भी निरीक्षण किया तथा सीमा पर आवागमन की निगरानी, अवैध तस्करी और आपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भारत–नेपाल खुली सीमा होने के कारण सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसके लिए पूर्ण सतर्कता रखी जाए।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया, मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद, 62वीं वाहिनी एस0एस0बी0 टीम सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया

वाराणसी राजेश सेठ

आज राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम लिमिटेड के क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी द्वारा 11वा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस वाराणसी परिक्षेत्र के क्लस्टर बुनकरों के साथ मनाया गयाद्य क्षेत्रीय प्रभारी श्री आशीष सिंह द्वारा बुनकरों को योग के महत्व को समझाया, जिन बुनकर को बुनाई करते समय पीठ दर्द एवं गर्दन दर्द की शिकायत रहती है, उनके लिए योग एक संजीवनी बूटी की तरह हैद्य योग क्षेत्र के अनुभवी एवं लोक सभा सचिवालय नई दिल्ली से निदेशक पद से सेवानिवृत्त श्री जगभूषण वर्मा द्वारा योग सत्र कराया गया जिसमे बुनकर भाइयो के साथ साथ क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी के सभी कर्मियों एवं निगम के पंजीकृत कार्यालय नोयडा से उपस्थित श्रीमती सोहनी वर्मा द्वारा बढ़ चढ़ के भाग लिया गयाद्य योग सत्र ज्ञानवर्धक एवं उत्साहवर्धक रहा द्य योगेश जी बजरडिहा कलेक्टर विकास संस्थान के अध्यक्ष मोहम्मद स्वालेह अंसारी व जुल्फकार अलम व आफताब आलम व तौसीफ आलम व हामिद सलमान व सरफराज खान व मोहम्मद सलीम बहुत बुनकर उपस्थित रहे

अलग अलग सड़क हादसों में तीन की मौत, एक घायल

बाराबंकी (संवाददाता)। सड़क हादसों में दो युवकों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। एक युवक बांदा जिले के पास हादसे का शिकार हुआ था। शव घर पहुंचते ही परिजनों में चीत्कार मच गई। रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र के सुरजवापुर गांव निवासी सूरज (22) परसोला गांव के रामनेवाज (35) के साथ बाइक से बृहस्पतिवार देर रात कोई दवा लेने के लिए घर से निकले थे। लखनऊ–अयोध्या हाईवे पर कोटवासड़क के पास पीछे से एक कार ने धक्का मार दिया। इससे दोनों घायल हो गए। दोनों को सीएचसी ले जाया गया। वहां से गंभीर रूप से घायल सूरज को केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। वहां बृहस्पतिवार रात ही इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। रामनेवाज को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। हादसे के बाद कार चालक भाग गया। मगर स्थानीय लोगों मौके पर पहुंचे तो अंदर एक वर्दी व पुलिस की टोपी रखी मिली। कुछ ग्रामीणों ने बताया कि हादसे के बाद चालक दूसरे कपड़े पहन कर भाग निकला। रामसनेहीघाट के थानाध्यक्ष अंकित त्रिपाठी ने बताया कि कार में कौन था, इसकी जांच की जा रही है। उधर, रामनगर क्षेत्र के भिटौरा गांव निवासी बालेश्वर (50) की बृहस्पतिवार रात हादसे में मौत हो गई

जिले में अवैध एवं बिना मान्यता के संचालित ०१ मदरसे के विरूद्ध की गयी ध्वस्तीकरण की कार्यवाही

श्रावस्ती 21 जून, 2025। सू0वि0। जिले में अवैध एवं बिना मान्यता के संचालित मदरसों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत आज शनिवार को तहसील जमुनहा के अंतर्गत ग्राम कटवा दा. इमलिया करणपुर के गाटा संख्या 503 रकबा 0.012 हैकटेयर कब्रिस्तान की भूमि में स्थित मदरसा बहारे तैयबा के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गयी।

उपभोक्ता की दुनिया
साध्य हिन्दी दैनिक
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शारदा प्रसाद पाठक द्वारा शंकर प्रिंटिंग प्रेस निकट भरत मिलाप चौराहा, नई बाजार भिनगा से मुद्रित तथा ग्राम हब्नामार पोस्ट गिलौला जनपद श्रावस्ती उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक
भगवान दीन पाठक
मो0– 91 94504 54367, 91 96530 13722
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र श्रावस्ती होगा।